संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, शुक्रवार 10 अक्टूबर 2025 ₹ 1 | www.actionindialive.com | Facebook.com/actionindialivee

दो दिवसीय यात्रा पर ऑस्ट्रेलिया गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने समकक्ष रिचर्ड मार्लेस के साथ कई अहम मुद्दों पर द्विपक्षीय बैठक की।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 16 अंक: 279 पृष्ठ: 08

RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com

उत्तराखण्ड संस्करण

दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड - चंडीगढ़

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

यमुना सफाई पर जोर, पिछली सरकारों पर करारा प्रहार, अमित शाह ने रखी 1816 करोड़ की परियोजनाओं की नींव

- 1816 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण।
- सीएम रेखा गुप्ता सहित प्रवेश वर्मा रहे मौजूद।

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली जल बोर्ड की 1816 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और आधारशिला रखी, जिसमें 80 प्रतिशत यमुना सफाई पर केंद्रित हैं। उन्होंने पूर्व भाजपा नेता विजय कुमार मल्होत्रा को श्रद्धांजलि दी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 24 वर्ष की सेवा यात्रा की सराहना की। शाह ने यमुना को आस्था का विषय बताते हुए पूर्व सरकारों के खोखले वादों पर तंज कसा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने यमुना को स्वच्छ बनाने और दिल्ली को विकसित करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

श्रद्धांजलि और पीएम मोदी की सेवायात्रा पर जोर: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार मल्होत्रा को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि मल्होत्रा ने जनसंघ की स्थापना से अंतिम क्षण तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा की विचारधारा को जीया। दिल्ली को आधुनिक बनाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। शाह ने दो दिन पहले सात अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में 24 वर्ष की सेवा यात्रा पूरी करने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा

कि मोदी देश के पहले ऐसे नेता हैं जिन्होंने इस तरह से राष्ट्रसेवा की। मोदी ने सुशासन को जमीन पर उतारा, अर्थव्यवस्था को मजबूत किया और भारत को विश्व पटल पर शीर्ष स्थान दिलाने का कार्य किया। उनकी जन्म तिथि पर शुरू हुए सेवा पखवाड़े के समापन पर 1816 करोड़ रुपये की योजनाओं को जनता को समर्पित किया जा रहा है, जिसमें 80 प्रतिशत यमुना सफाई से जुड़ी हैं।

यमुना सफाई के पुराने वादों पर तंज : शाह ने पूर्व सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने यमुना को साफ करने के वादे किए, लेकिन अमल नहीं किया। यमुना में डुबकी लगाने का वादा करने वाले नेता खुद डुबकी नहीं लगाए। प्रवेश वर्मा ने उनके कटआउट को डुबकी लगवाई तो वह बीमार हो गया। उन्होंने डुबकी न लगाई तो दिल्ली की जनता ने उनकी सरकार को यमुना में डुबो दिया। शाह ने आश्वासन दिया कि यमुना सफाई का कार्य पूरा किया जाएगा। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली बैठक में उन्होंने कहा था कि भ्रष्टाचार रोकने और विज्ञापन खर्च घटाने से मिलने वाली राशि से यमुना साफ हो जाएगी।

भारत ने लोकतांत्रिक भावना को शासन का मजबूत स्तंभ बनाया: मोदी

- मोदी ने कहा कि भारत का डिजिटल स्टैक एक नए खुले इकोसिस्टम को जन्म दे रहा है।
- छोटे व्यापारियों और एमएसएमई के लिए वरदान साबित हो रहा है, जो उन्हें नए बाजारों तक पहुंचने में मदद कर रहा है।

टीम एक्शन इंडिया

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और फिनटेक के क्षेत्र में विन-विन साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। भारत का डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र आज नवाचार, पारदर्शिता और समावेशन के नए वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 (जीएफएफ) को संबोधित कर रहे थे। यूके के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की उपस्थिति में मोदी ने कहा कि मुंबई ऊर्जा, उद्यम और अनंत संभावनाओं का शहर है। उन्होंने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच विश्वास, नवाचार और प्रौद्योगिकी आधारित विकास के नए अध्याय की शुरूआत हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते एक दशक में भारत ने प्रौद्योगिकी का लोकतंत्रीकरण किया है। भारत ने दिखाया है कि प्रौद्योगिकी केवल सुविधा का साधन नहीं, बल्कि समानता का साधन भी बन सकती है। हमने डिजिटल तकनीक को देश के हर नागरिक और हर क्षेत्र तक सुलभ बनाया है। भारत आज दुनिया के सबसे तकनीकी रूप से समावेशी समाजों में से एक है। मोदी ने कहा कि भारत ने लोकतांत्रिक भावना को शासन का एक मजबूत स्तंभ बनाया है। यही भावना हमारे

भारत में खुलेंगे ब्रिटेन के नामी विश्वविद्यालयों के कैंपस

मुंबई। ब्रिटेन के नौ प्रमुख विश्वविद्यालय जल्द ही भारत में अपने कैंपस शुरू करेंगे। इससे भारतीय छात्रों को देश में रहकर ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पढ़ाई का अवसर मिलेगा। मुंबई में आयोजित ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के संयुक्त बयान में दी गई। दोनों नेताओं ने शिक्षा को द्विपक्षीय सहयोग का अहम क्षेत्र बताते हुए भारत में ब्रिटिश विश्वविद्यालयों के कैंपस खोलने की प्रगति पर खुशी जाहिर की। भारत के बहुत से प्रतिभाशाली छात्र उच्च शिक्षा के लिए विदेश का रास्ता देखते हैं, खासतौर पर ब्रिटेन के विश्वविद्यालय उन्हें लुभाते रहे हैं। भारत पर ब्रितानिया की हुकूमत के समय से ही यह चलन रहा है। आजादी के बाद भी ब्रिटेन के कई विश्वविद्यालयों की मान्यता बनी रही है, समय के साथ अब उन विश्वविद्यालयों में पढ़ना काफी खचीर्ला हो गया है और सामान्य वर्ग की पहुंच से बाहर हो गया है।

डिजिटल और फिनटेक मॉडल के मूल में है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इंडिया स्टैक पूरी दुनिया, खासतौर पर ग्लोबल साउथ के देशों के लिए आशा की किरण है। हम न केवल तकनीक साझा कर रहे हैं बल्कि अन्य देशों को उसे विकसित करने में भी मदद कर रहे हैं। यह डिजिटल सहायता नहीं बल्कि डिजिटल सशक्तिकरण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के फिनटेक समुदाय के प्रयासों से स्वदेशी समाधान आज वैश्विक प्रासंगिकता हासिल कर रहे हैं। आज पूरी दुनिया में हमारे क्यूआर नेटवर्क, ओपन कॉमर्स और ओपन फाइनेंस फ्रेमवर्क की प्रशंसा हो रही है। इस वर्ष के पहले छह महीनों में भारत वैश्विक स्तर पर शीर्ष तीन सबसे अधिक वित्त पोषित फिनटेक पारिस्थितिक तंत्रों में शामिल रहा है। उन्होंने कहा कि भारत का डिजिटल स्टैक एक नए खुले इकोसिस्टम को जन्म दे रहा है। ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स छोटे व्यापारियों और एमएसएमई के लिए वरदान साबित हो रहा है, जो उन्हें नए बाजारों तक पहुंचने में मदद कर रहा है। इसी तरह, ओपन क्रेडिट एनेबलमेंट नेटवर्क ने छोटे उद्यमियों के लिए ऋण की उपलब्धता आसान बना दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत में डिजिटल भुगतान लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है। इसका सबसे बड़ा श्रेय हमारी जेम ट्रिनिटी झ जन धन, आधार और मोबाइल को जाता है। आज भारत में हर महीने 20 अरब से अधिक यूपीआई लेनदेन होते हैं, जिनकी कुल राशि 25 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। दुनिया में जितने भी रियल-टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन होते हैं, उनमें से हर 100 में से 50 लेनदेन केवल भारत में होते हैं। उन्होंने कहा कि पहले बैंकिंग व्यवस्था एक विशेषाधिकार हुआ करती थी लेकिन डिजिटल तकनीक ने इसे सशक्तिकरण का उपकरण बना दिया है।

बदरीनाथ धाम में रिकार्ड 14.59 लाख तीर्थयात्रियों ने किए दर्शन

देहरादून। बदरीनाथ धाम में भी तीर्थयात्रियों की बढ़ती संख्या ने पिछले वर्ष का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। बुधवार तक कुल 14 लाख 59 हजार 450 तीर्थयात्री भगवान बदरीनाथ के दर्शन को पहुंच चुके हैं जबकि कपाट बंद होने में अभी डेढ़ माह का समय शेष है। आगामी 25 नवंबर को शीतकाल के लिए बदरीधाम के कपाट बंद कर दिए जाएंगे। इस यात्रा वर्ष बदरीनाथ और केदारनाथ धाम में अब तक 31, 15, 989 तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए हैं। केदारनाथ के साथ ही बदरीनाथ धाम में भी पिछले वर्ष की तुलना में यात्रियों की बढ़ती संख्या ने नया रिकॉर्ड बनाया है।

कोई आतंकी कनेक्शन नहीं, पटाखा भंडारण में हुआ था विस्फोट, एसओ समेत पांच निलंबित

कानपुर। उत्तर प्रदेश में कानपुर जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में बुधवार को हुए ब्लास्ट मामले की प्रारंभिक जांच में अवैध पटाखा भंडारण का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार इस घटना में कोई आतंकी कनेक्शन नहीं है। इसकी जांच के लिए गुरुवार को उत्तर प्रदेश की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) टीम पहुंच गई है। पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने इस मामले में एसीपी कोतवाली को हटा दिया और मूलगंज थाना प्रभारी समेत पांच

पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने बताया कि इस घटना का कोई आतंकी कनेक्शन नहीं है। खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स ने धमाके कराने का दावा बेबुनियाद है। विस्फोट वाली जगह पर दुकान से एक क्विंटल पटाखे मिले हैं। एक अन्य गोदाम से तीन क्विंटल पटाखे मिले हैं। इस संबंध में बिना लाइसेंस पटाखे रखने वालों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सर्दियों में घुसपैठ रोकने के लिए सुरक्षा बल हर स्थिति से निपटने को तैयार रहें : अमित शाह

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सर्दियां नजदीक हैं और आतंकवादी बर्फबारी का फायदा उठाकर घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए सुरक्षा बलों को हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहना चाहिए। अमित शाह ने यहां जम्मू और कश्मीर की सुरक्षा स्थिति की उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार की आतंकवाद-मुक्त जम्मू और कश्मीर के लक्ष्य को प्राप्त करने की अटूट प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों के ठोस और समन्वित प्रयासों के कारण अब जम्मू-कश्मीर में दुश्मन देशों द्वारा पोषित आतंकवादी नेटवर्क लगभग समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि हमारे सुरक्षा बलों को जम्मू-कश्मीर की शांति और सुरक्षा को खतरा

पहुंचाने वाले हर प्रयास को नाकाम करने की पूरी स्वतंत्रता है। सरकार आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए हरसंभव कदम उठा रही है। गृह मंत्री ने हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद केन्द्रशासित प्रदेश प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा तेजी से उठाए गए कदमों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन कार्रवाइयों ने जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया है तथा आतंकवादियों की किसी भी नई साजिश को नाकाम करने में मदद की है। अमित शाह ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ चल रहे अभियानों में सभी सुरक्षा एजेंसियों का तालमेल बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने निर्देश दिया कि खुफिया जानकारी के आदान-प्रदान और संयुक्त ऑपरेशनों के दौरान समन्वय को और सुदृढ़ किया जाए, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते विफल किया जा सके। गृह मंत्री ने विशेष रूप से कहा कि जैसे-जैसे सर्दियां बढ़ेंगी, आतंकवादी बर्फबारी और कम दृश्यता का फायदा उठाकर सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने दुबई स्थित गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार, जैबेल अली में की अरदास

चण्डीगढ़ : केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलें एवं ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने विदेश दौरे के दौरान दुबई स्थित गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार, जैबेल अली में अरदास कर देश वासियों के सुख समृद्धि की कामना की। गुरुओं की वाणी भी मानव जाति का मार्गदर्शन कर रही हैं। गुरुओं के संदेश को घर-घर तक पहुंचाना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियां उनसे प्रेरणा लेती रहे। सिख व पंजाबी समाज की तारीफ की और स्वागत के लिए उनका धन्यवाद किया केंद्रीय मंत्री का दुबई स्थित गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार, जैबेल अली में पहुचनें पर गुरुद्वारा साहिब के मुख्य सेवादार सरदार सुरिंदर सिंह कंधारी और प्रबंधक सेवक एसपी सिंह ओबेरॉय ने उन्हें सिरोपा और सम्मान चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

सभी ठोस कचरे को सड़क निर्माण में उपयोग करने की योजना: गडकरी

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि साल 2027 तक देश के सभी ठोस कचरे को सड़क निर्माण में उपयोग करने की सरकार की योजना है। इस 'कचरे से धन' पहल के तहत अब तक 80 लाख टन कचरा चिह्नित कर सड़क परियोजनाओं में उपयोग किया जा चुका है। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ टिकाऊ बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है। गडकरी ने गुरुवार को यहां पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के 120वें वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की योजना 2027 के अंत तक देश में उपलब्ध सभी ठोस कचरे का उपयोग सड़क निर्माण में करने की है। उन्होंने कहा कि हम पहले ही 80 लाख टन कचरे को अलग कर उसके माध्यम से सड़कों का निर्माण कर रहे हैं।

तकनीक का नैतिक और जिम्मेदार उपयोग हो: बिरला

बिरला बोले...

- डिजिटल डिवाइड को दूर करना कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए ओम बिरला ने यह बात कही।

टीम एक्शन इंडिया

ब्रिजटाउन। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राष्ट्रमंडल देशों के सांसदों से आग्रह किया है कि वे प्रौद्योगिकी का समुचित उपयोग और डिजिटल डिवाइड की समस्या का समाधान करते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के विवेकपूर्ण और नैतिक उपयोग को बढ़ावा दें।

राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) के 68वें सम्मेलन के दौरान 'प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना: डिजिटल परिवर्तनों के माध्यम से लोकतंत्र को सशक्त बनाना और

डिजिटल डिवाइड को दूर करना' विषय पर आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए ओम बिरला ने यह बात कही। बारबाडोस की राजधानी ब्रिजटाउन में 05 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक आयोजित सीपीए के 68 वें सम्मेलन में ओम बिरला के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधि मंडल गया है जिसमें राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश सहित अनेक सांसद एवं अनेक विधानसभाओं के अध्यक्ष सम्मिलित हैं। गुरूवार को आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आपसी सहयोग और जानकारी साझा करते हुए यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि प्रौद्योगिकी अवरोध न बनकर सेतु की भूमिका निभाए।

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने तीन प्रमुख समझौतों पर किये हस्ताक्षर

बैठक

- राजनाथ सिंह ने विदेश मंत्री पेनी वोंग और प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज के साथ कीं द्विपक्षीय बैठकें

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियाई युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करके अपनी यात्रा शुरू की। पहले दिन विदेश मंत्री पेनी वोंग और प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज से मुलाकात करके द्विपक्षीय बैठकें कीं। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने तीन प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर करके अपनी रक्षा साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कैनबरा में ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने बढ़ती भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने और व्यापार, प्रौद्योगिकी, संपर्क और क्षेत्रीय सुरक्षा सहित प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने रक्षा साझेदारी को मजबूत करने के लिए तीन प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किये हैं, जो सूचना साझाकरण समझौता, पनडुब्बी खोज एवं बचाव सहयोग पर समझौता ज्ञापन और संयुक्त स्टाफ वार्ता की स्थापना से संबंधित हैं। इन समझौतों का उद्देश्य दोनों सशस्त्र बलों के बीच परिचालन समन्वय, समुद्री सुरक्षा सहयोग और अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ाना है। सैन्य अभ्यास, रक्षा उद्योग सहयोग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और बहुपक्षीय सहयोग में द्विपक्षीय पहलों पर भी चर्चा हुई। राजनाथ सिंह ने आज ही ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री के साथ रक्षा साझेदारी विश्वास, साझा हितों और समृद्ध हिंद-प्रशांत के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

टीवीके प्रमुख विजय के घर पर बम रखने की धमकी देने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली। चेन्नई के नीलंकरई में तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख विजय के घर बम रखने की धमकी देने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गुरुवार सुबह टीवीके प्रमुख एवं अभिनेता विजय को एक मेल के जरिए उनके नीलंकरई स्थित घर में बम होने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने खोजी कुत्ते की मदद से विजय के घर की तलाशी ली, लेकिन कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। पुलिस के अनुसार जांच के बाद धमकी देने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। व्यक्ति की पहचान साबिक के रूप में हुई, जो मीनाम्बक्कम के एक कॉलेज में काम करता है।

जन भागीदारी — *स्कूल के भवन व बच्चों की वर्दी का अलग होगा रंग*

अगले सत्र से प्रदेश में 100 सीबीएसई स्कूल होंगे शुरू : मुख्यमंत्री

पंकज शर्मा

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज शिक्षा विभाग की एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि अगले शैक्षणिक सत्र से प्रथम चरण में प्रदेश भर में 100 स्कूलों को सीबीएसई पाठ्यक्रम पर संचालित किया जाएगा। उन्होंने शिक्षा विभाग को इस संबंध में सभी तैयारियां समय सीमा के भीतर पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीबीएसई पैटर्न आधारित स्कूलों का अलग रंग होगा और यहां पढने वाले विद्यार्थियों की अलग रंग की वर्दी होगी। इन स्कूलों में स्मार्ट कक्षाओं

के साथ-साथ मैस का प्रबंध भी किया जाएगा और विद्यार्थियों को पौष्टिक भोजन प्रदान किया जाएगा। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत करवाया कि प्रदेश में सीबीएसई के मापदंड पूरा करने वाले अब तक 86 स्कूलों की पहचान की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को शेष स्कूलों में सीबीएसई के मापदंड जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के प्रयास कर रही है और इसके लिए धन की कोई कमी नहीं है। शिक्षा विभाग में खाली पड़े अध्यापकों के पदों को भरा जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार के प्रयासों से हिमाचल प्रदेश गुणात्मक शिक्षा में 21वें स्थान से 5वें स्थान पर पहुंच गया है और राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में पढने वाले बच्चों को गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के लिए निरन्तर प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूल बनाने की समीक्षा भी की और अधिकारियों को इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन स्कूलों में एक अच्छा कैम्पस तैयार होना चाहिए, जहां खेलकूद गतिविधियों के लिए भी पर्याप्त जगह हो। शिक्षा क्षेत्र में सुधार लाने में राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूल मील का पत्थर सिद्ध होंगे। सुक्खू ने कहा कि हर जिला में स्टेट ऑफ आर्ट कॉलेज बनाने का भी प्रयास किया जा रहा है, जहां विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के साथ-साथ सभी प्रकार की गतिविधियां उपलब्ध होंगी ताकि इनका सर्वांगीण विकास हो सके। बैठक में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर, निदेशक उच्च शिक्षा अमरजीत शर्मा सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

मंत्री जोशी ने किया सेब महोत्सव 2.0 का शुभारंभ

प्रतीक

सेब महोत्सव राज्य की कृषि क्षमता व किसानों की आत्मनिर्भरता का प्रतीक : गणेश जोशी

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने गुरुवार को दो दिवसीय 'सेब महोत्सव 2.0' का शुभारंभ किया। इस मौके पर मंत्री जोशी ने कहा कि यह महोत्सव राज्य की कृषि क्षमता और किसानों की आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।
यहां आईटी पार्क सहस्त्रधारा स्थित नाबार्ड के कार्यालय में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की ओर से सेब महोत्सव 2.0' का शुभारंभ किया।
इस दौरान मंत्री ने विभिन्न जनपदों के यहां लगे स्टालों का भी अवलोकन कर किसानों से संवाद भी किया। इस अवसर पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि सेब महोत्सव उत्तराखंड के सेब उत्पादकों की मेहनत, नवाचार और कृषि उद्यमिता का उत्सव है। यह पर्वतीय राज्य की कृषि क्षमता और किसानों की आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। उन्होंने आगामी सेब महोत्सव में कृषि एवं उद्यान के उत्पादों को लगाने का नाबार्ड के अधिकारियों को कहा।
मंत्री ने कहा कि नाबार्ड ने उत्तराखंड जैसे राज्य में कृषि एवं ग्रामीण विकास को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राज्य सरकार कृषि के विविधीकरण पर विशेष बल दे रही है। बागवानी, सुगंधित एवं औषधीय पौधों, डेयरी, मत्स्य पालन, रेशम उत्पादन, मधुमक्खी पालन और मशरूम उत्पादन जैसे क्षेत्रों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे किसानों को पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर उच्च मूल्य वाली फसलों की ओर आकर्षित किया जा सके।
उन्होंने बताया कि नाबार्ड ने राज्य में 138 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को 20 करोड़ रुपये का अनुदान दिया है। साथ ही, कुल 34 वॉटरशेड एवं स्प्रिंगशेड परियोजनाओं के माध्यम से 11,164 हेक्टेयर भूमि का उपचार किया गया है, जिससे 5,045 परिवार लाभान्वित हुए हैं। बागवानी आधारित विकास कार्यक्रमों के तहत 4,163 एकड़ भूमि पर सेब, कीवी, अखरोट, आम, अमरूद और अन्य फलों के बाग स्थापित किए गए हैं।
मंत्री ने बताया कि नाबार्ड ने कृषि के विभिन्न आयामों पर आधारित 20 नवाचार पायलट परियोजनाएं भी शुरू की हैं, जिनमें जैविक उत्पादों की ट्रेसबिलिटी, एक्वापोनिक्स, मोरिंगा आधारित एकीकृत कृषि मॉडल, फार्म टूरिज्म, प्राकृतिक खेती, औषधीय एवं सुगंधित पौधों पर आधारित मॉडल और शून्य ऊर्जा कूल चैंबर जैसे अभिनव प्रयोग शामिल हैं।
इन पहलों का उद्देश्य कृषि उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ ग्रामीण आजीविका के अवसरों को सृजित करना और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना है।
उन्होंने यह भी बताया कि हरिद्वार जिले में नाबार्ड द्वारा 500 किसानों के साथ जैविक खेतों के डिजिटलीकरण की परियोजना संचालित की जा रही है।

पुलिस का नशा कारोबार पर प्रहार: 11 पेटी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

निर्देश

नशा तस्करों के विरुद्ध कार्यवाही किए जाने हेतु अधिकारियों, कर्मचारियों को दिशा निर्देश दिए गए हैं।

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
पुलिस ने एक बार फिर नशे के अवैध कारोबार पर प्रहार किया है। ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र से एसओजी व पुलिस टीम ने एक शराब तस्कर को 11 पेटी अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है।
एसएसपी नैनीताल प्रहलाद नारायण मीणा ने नैनीताल जिले में अवैध नशा तस्करों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही किए जाने हेतु सभी अधीनस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों को दिशा निर्देश दिए गए हैं।
प्रकाश चंद्र, एसपी सिटी हल्द्वानी के मार्गदर्शन नितिन लोहनी, क्षेत्राधिकारी हल्द्वानी के पर्यवेक्षण तथा अमरचंद शर्मा, प्रभारी निरीक्षक हल्द्वानी के नेतृत्व में एसओ0मजी टीम व हल्द्वानी पुलिस टीम द्वारा संयुक चैकिंग के दौरान रामपुर रोड पर गन्ना सेंटर से आगे झलक बार के पास नीम करौली प्रॉपर्टीज के पास से एक व्यक्ति नवीन कुमार सिंह को कुल 11 पेटी अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। उसके विरुद्ध कोतवाली हल्द्वानी में धारा 60 आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है। गिरफ्तार नवीन कुमार सिंह पुत्र उदय शंकर सिंह निवासी कुसुमखेड़ा थाना मुखानी निवासी है। उसके पास से कुल 11 पेटी (66 पव्वे मैकडेवल व्हिस्की ,44 पव्वे 8 पीएम व्हिस्की , 24 बोतल बीयर ,72 केन बीयर, 19 हाफ मकडेवल विस्की, 33 पव्वे बकाडी लेमन रम ,37 पव्वे रॉयल स्टैग व्हिस्की, 12 बोतल कॅप्टन मॉर्गन रम) बरामद हुई।

पिता ने नाबालिग बेटी को किया गर्भवती, प्रेमी ने भी लूटी अस्मत

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
कनखल थाना क्षेत्र में एक कलयुगी पिता ने अपनी नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म किया। घटना की जानकारी पीड़िता के गर्भवती होने पर चली। इतना ही नहीं इंस्टाग्राम पर मिले प्रेमी ने भी मासूम के साथ कई बार दुष्कर्म किया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।
जानकारी के मुताबिक अपनी नाबालिग बेटी संग दुष्कर्म करने के बाद 60 वर्ष के पिता ने अपनी करतूत छिपाने के लिए नाबालिग को गर्भपात की दवा खिला दी, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई।

गंगोत्री नेशनल पार्क ने बर्फबारी के बाद ट्रैकिंग पर लगाई अस्थाई रोक

ट्रैकिंग

वहीं जिन ट्रैकर्स को मंगलवार और बुधवार को जाना था। उन्हें अभी गंगोत्री में ही रोका गया है

उत्तरकाशी/टीम एक्शन इंडिया
गंगोत्री नेशनल पार्क प्रशासन ने गोमुख-तपोवन की ट्रैकिंग पर बर्फबारी के चलते रोक लगाते हुए है दो दिनों के लिए अस्थाई रोक लगा दी है जिससे पार्क में आवाजाही बंद रहेगी। बता दें कि बीते सोमवार देर रात से गोमुख-तपोवन क्षेत्र में भारी बर्फबारी हुई। करीब आधा फीट से अधिक बर्फ गिरी है। गंगोत्री नेशनल पार्क की ओर से गोमुख, भोजबासा और तपोवन में बर्फबारी को देखते हुए ट्रैकिंग पर दो दिन की अस्थाई रोक लगाई गई है। वहीं बुधवार सुबह तक गोमुख-तपोवन ट्रैक पर गए सभी ट्रैकर्स गंगोत्री लौट आए हैं। दो दिन हुई बर्फबारी के बीच गोमुख-तपोवन ट्रैक पर ट्रैकर्स ने बर्फ के बीच ट्रैकिंग के रोमांच का लुत्फ उठाया।
गौरतलब है कि बीते सोमवार देर रात से गोमुख-तपोवन क्षेत्र में भारी बर्फबारी हुई। वहां पर करीब आधा फीट से अधिक बर्फ गिरी। मौसम और बर्फबारी के अलर्ट को देखते हुए मंगलवार और बुधवार को उस क्षेत्र की ट्रैकिंग पर अस्थाई रोक लगाई हुई है। गंगोत्री नेशनल पार्क के रेंजर प्रदीप बिष्ट ने बताया कि शुक्रवार को भी मौसम को देखते हुए गंगोत्री नेशनल पार्क प्रशासन गोमुख ट्रैकिंग को खोलने का निर्णय लेगा। उन्होंने बताया कि मौसम खराब होने के कारण मंगलवार और बुधवार सुबह तक ट्रैक पर गए सभी 139 ट्रैकर्स वापस लौट आए हैं।
वहीं जिन ट्रैकर्स को मंगलवार और बुधवार को जाना था। उन्हें अभी गंगोत्री में ही रोका गया है। इस दौरान बर्फबारी के बीच लौट रहे ट्रैकर्स ने भोजबास, चीड़बासा में कैंपिंग का लुत्फ भी उठाया। इसके साथ ही नेलांग सहित जादूंग घाटी में अच्छी बर्फबारी हुई है। वहां पर भी पहाड़ियों ने बर्फ की सफेद चादर ओढ़ ली है।

न्यूज फ्लैश

छात्रा से बदसलूकी और अपहरण का आरोप, बराकोट के शिक्षा कर्मियों पर केस दर्ज

चंपावत/टीम एक्शन इंडिया
लोहाघाट में एक नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ और अपहरण के प्रयास का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने शिक्षा विभाग के एक कर्मचारी सहित तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। छात्रा का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है।
घटना बाराकोट विकासखंड क्षेत्र की है। पीड़िता की मां के अनुसार, उनकी 14 वर्षीय बेटी स्कूल जा रही थी, तभी एक कार में सवार शिक्षा विभाग के एक कार्मिक ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर उसे जबरन गाड़ी में बैठाने की कोशिश की।
छात्रा किसी तरह वहां से भाग निकली और सीधे स्कूल पहुंचकर शिक्षकों को घटना की जानकारी दी। विद्यालय प्रशासन ने तत्काल परिजनों और पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। तहरीर के आधार पर नागेंद्र जोशी, दुर्गेश जोशी और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ पोक्सो अधिनियम की धारा 11 तथा भारतीय न्याय संहिता की धारा 127 और 78 के तहत मामला दर्ज किया गया है।
मामले की जांच उपनिरीक्षक सुष्मिता राणा को सौंपी गई है। वहीं, आरोपियों ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार करते हुए इसे एक साजिश बताया है।

महिला की संदिग्ध मौत का राज्य महिला आयोग ने लिया संज्ञान, सख्त कार्रवाई के निर्देश

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जनपद के दूरस्थ थराली क्षेत्र में 23 वर्षीय विवाहिता उर्मिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले का उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं।
थराली क्षेत्र की 23 वर्षीय विवाहिता उर्मिला का विवाह लगभग दो वर्ष पूर्व हुआ था और उसका 11 माह का एक शिशु भी है। उसके आत्महत्या करने बात कही जा रही है लेकिन क्या उसे आत्महत्या के लिए विवश या उकसाया गया। इसकी जांच हो रही है। मृतका की मां की शिकायत के आधार पर पुलिस ने सास, ससुर, ननद और देवर के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज किया है।
इस घटना का राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने स्वतः संज्ञान लेते पूरे प्रकरण पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि यह न केवल एक संवेदनशील मामला है, बल्कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। आयोग ने एसपी चमोली से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है और निर्देश दिए हैं कि मामले की निष्पक्ष व त्वरित जांच सुनिश्चित की जाए।
उन्होंने बताया कि दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। पीड़िता के परिवार को न्याय दिलाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।
अध्यक्ष कण्डवाल ने यह भी निर्देश दिए कि पुलिस पीड़िता के परिवार को कानूनी सहायता प्रदान करें और जांच करते हुए घटना की रिपोर्ट दो सप्ताह के भीतर आयोग को भेजी जाए।
अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने कहा कि ऐसी घटनाएं समाज के लिए कलंक हैं। हमें ऐसी मानसिकता के विरुद्ध एकजुट होकर खड़ा होना होगा ताकि भविष्य में कोई भी बेटी ऐसी पीड़ा न झेले।क्षराज्य महिला आयोग इस प्रकरण की सतत निगरानी करेगा और न्याय सुनिश्चित होने तक इसे प्राथमिकता पर रखेगा।

ट्रेन से कटकर इंजीनियर की मौत

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
ट्रेन से कटकर एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मृतक की पहचान प्रेम कुमार के रूप में हुई है, जो एक अमेरिकी कंपनी में टीम लीडर के तौर पर काम करते थे। यह हत्या है या आत्महत्या इस संबंध में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।
पुलिस के मुताबिक प्रेम कुमार का तलाक हो गया था, जिसके बाद से वह मानसिंक तनाव में था।
प्रेम कुमार ने धर्म परिवर्तन कर लिया था। पहले वो ईसाई थे और तलाक के बाद हिन्दू बन गए थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

कार की मांग पूरी न होने पर महिला का उत्पीड़न, पति समेत 8 के खिलाफ मुकदमा दर्ज

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
दहेज में क्रेटा कार की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को प्रताड़ित करने, मारपीट करने और तेजाब से चेहरा खराब करने की धमकी देने का गंभीर मामला सामने आया है।
रुड़की के शिवदासपुर उर्फ तेलीवाला निवासी हिमानी पत्नी नरेश ने महिला हेल्प लाइन, रुड़की में पति, सास-ससुर समेत ससुराल पक्ष के आठ लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। विवाहिता ने आरोप लगाया है कि शादी के बाद से ही उसे लगातार दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा है और क्रेटा कार न लाने पर पति तलाक की धमकी दे रहा है।
पीड़िता हिमानी ने अपनी तहरीर में बताया है कि उनकी शादी 18 अप्रैल 2024 को कलियर निवासी नरेश पुत्र सोमी के साथ हुई थी। शादी में उनके पिता ने अपनी हैसियत के मुताबिक भारी दान-दहेज दिया था, जिसमें घरेलू सामान, सोने के जेवरात और एक चार पहिया गाड़ी क्विड भी शामिल थी।
आरोप है कि शादी के एक महीने बाद ही पति नरेश ने ताने मारना शुरू कर दिया और कहा कि उसकी सरकारी नौकरी है और उसके जीजा नेपाल उसे क्रेटा कार के साथ बड़े घर में शादी करवा रहे थे। इसके बाद पति समेत सास कमलेश, ससुर सोमी, जेठानी सुमन, जेठ मनोज और रवि पुत्र मांगा ने दहेज को लेकर गाली-गलौज करना शुरू कर दिया, जिससे उनका जीना दुश्वार हो गया।
पीड़िता के अनुसार, जनवरी 2025 में एक पुत्र के जन्म के बाद भी ससुराल वालों के व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आया। दहेज की मांग को लेकर मारपीट और गाली-गलौज जारी रही। करीब दो महीने पहले पति नरेश उन्हें और उनके पुत्र को मायके छोड़कर चला गया और जून 2025 में क्रेटा कार के साथ ही वापस लाने की धमकी दी। इस मामले में 14 जून 2025 को ससुराल में हुए विवाद के बाद, स्थानीय मौजिज व्यक्तियों की मौजूदगी में 15 जून 2025 को थाना कलियर पर एक समझौता हुआ। समझौते के तहत पति नरेश ने बिना शर्त पत्नी को 27 जून 2025 को अपने तैनाती स्थान ब्लॉक धौला देवी, जिला अल्मोड़ा ले जाने और रुड़की कोर्ट में चल रहे तलाक के मुकदमे को वापस लेने पर सहमति जताई।
पीड़िता ने बताया कि 28 जून 2025 को पति उन्हें पुत्र अनिरुद्ध के साथ अल्मोड़ा ले गया। वहां 1-2 दिन तक तो सब ठीक रहा, लेकिन उसके बाद नरेश ने फिर से क्रेटा कार की मांग दोहराते हुए मारपीट शुरू कर दी।
इतना ही नहीं, उसने बच्चे अनिरुद्ध का गला दबाने का भी प्रयास किया और पीड़िता का फोन छीन लिया।

वाहन पलटने से छात्राएं घायल, हायर सेंटर रेफर

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले के पोखरी-गोपेश्वर मोटर मार्ग वाहन पलटने से घायल हुई छात्राओं को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।
जानकारी के अनुसार गोपेश्वर से जिलास्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता से लौट रहे छात्राओं का सूमो वाहन सलना के पास सड़क पर पलट गया। इससे उसमें सवार छह छात्राएं घायल हो गई। घायलों को उपचार के लिए पोखरी अस्पताल में भर्ती किया गया। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर श्रीनगर रेफर कर दिया गया है। घायल छात्राओं में पूवार्शी, दीया, आंचल, आरूषि, दीक्षा, अंशिका शामिल है।

रुड़की में फर्जी सैन्य कर्मी गिरफ्तार, सेना की वर्दी व 18 डेबिट कार्ड बरामद

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
आर्मी इंटेलिजेंस, कोतवाली रूड़की पुलिस, सीआईयू रूड़की और एलआईयू रूड़की की संयुक्त टीम ने एक फर्जी सैन्य कर्मी को गिरफ्तार किया है। आरोपित के कब्जे से सेना की वर्दी, नेम प्लेट, आर्मी कार्ड, फर्जी ज्वाइनिंग लेटर और 18 डेबिट कार्ड बरामद किए गए हैं।
पुलिस एवं इंटेलिजेंस विभाग आरोपी से पूछताछ कर यह जानने का प्रयास कर रहे हैं कि उसका आर्मी परिसर में आने का वास्तविक उद्देश्य क्या था।
कोतवाली रूड़की पुलिस व आर्मी इंटेलिजेंस को सूचना प्राप्त हुई कि आर्मी एरिया में एक संदिग्ध व्यक्ति सेना की वर्दी में घूम रहा है। सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए संयुक्त टीम ने एमईएस गेट के पास से संदिग्ध को दबोच लिया।

पुलिस क्षेत्राधिकार रुड़की नरेंद्र पंत ने बताया कि पूछताछ में आरोपित ने अपनी पहचान सुरेन्द्र कुमार पुत्र शिशराम निवासी ग्राम कोलसिया, थाना नवलगढ़, जिला झुंझुनू (राजस्थान) के रूप में बताई। उसने स्वीकार किया कि वह सेना की वर्दी पहनकर कैंट एरिया में आसानी से प्रवेश कर लेता था और वहां से सूचनाएं एकत्र करता था।
पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। बरामदगी में सेना की वर्दी, नेम प्लेट, आर्मी कार्ड, फर्जी ज्वाइनिंग लेटर तथा 18 डेबिट कार्ड शामिल हैं।

दीपावली से पहले अलर्ट मोड में दमकल विभाग,दुकानों का निरीक्षण

जांच शुरू

आगजनी रोकने के लिए विभाग ने शहरभर में सुरक्षा इंतजामों की सघन जांच शुरू कर दी है

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
दीपावली पर्व से पहले दमकल विभाग हल्द्वानी पूरी तरह से अलर्ट मोड पर आ गया है। बढ़ती भीड़ और आतिशबाजी के दौरान संभावित आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए विभाग ने शहरभर में सुरक्षा इंतजामों की सघन जांच शुरू कर दी है।
मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौरव किरार और फायर स्टेशन ऑफिसर एम.पी. सिंह के नेतृत्व में दमकल टीम ने शहर के विभिन्न पटाखा गोदामों और दुकानों का फायर सेफ्टी निरीक्षण किया।
निरीक्षण के दौरान फायर एक्सटिंग्विशर, इमरजेंसी एग्जिट, विस्फोटक सामग्री के भंडारण नियमों और सुरक्षा मानकों की बारीकी से जांच की गई।सीएफओ गौरव किरार ने बताया कि हल्द्वानी क्षेत्र में इस वर्ष कुल 5000 किलोग्राम क्षमता वाले एक गोदाम और 12 दुकानों को मानकों के अनुरूप आतिशबाजी का लाइसेंस जारी किया गया है।
इसके अलावा, भीड़भाड़ वाले इलाकों में दमकल वाहन तैनात किए गए हैं और सभी फायर हाइड्रेंट्स को क्रियाशील स्थिति में रखा गया है।उन्होंने बताया कि यह अभियान दीपावली से पूर्व शहर में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके। वहीं, पटाखा व्यापारियों ने भी फायर विभाग के निदेर्शों का पालन करने और सुरक्षा मानकों को लागू करने का आश्वासन दिया है।

केदारनाथ में अब तक 16 लाख 56 हजार दर्शनार्थियों ने किए दर्शन, बना रिकॉर्ड

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदा और मौसम की दुश्वारियों के बीच केदारनाथ की यात्रा में इस वर्ष दर्शनार्थियों का नया रिकार्ड बना है। इस साल अभी तक धाम में दर्शनार्थियों की संख्या 16 लाख 56 हजार के पार हो गई है।
पिछले वर्ष केदारनाथ में 16 लाख 52 हजार 76 श्रद्धालुओं ने दर्शन किये थे। इस वर्ष केदारनाथ के कपाट 23 अक्तूबर को परंपरानुसार भैयादूज के पर्व पर बंद होने है, ऐसे में यात्रा के शेष 14 दिनों में यात्रियों की संख्या सत्रह लाख से अधिक पहुंचने की उम्मीद है। अक्टूबर माह के शुरू के आठ दिन में ही 59754 यात्रियों ने धाम में दर्शन किये हैं।

इस वर्ष 2 मई से केदारनाथ यात्रा शुरू हुई थी। कपाट खुलने के दिन ही धाम में 30,154 शिव भक्तों ने दर्शन किए थे, जो केदारनाथ यात्रा के इतिहास में नया रिकार्ड था। पहले दिन से ही देश-विदेश से पहुंचने वाले यात्रियों का उत्साह अपने चरम पर रहा। यात्रा में पैदल मार्ग से हवाई मार्ग तक यात्रियों की भीड़ रही। मंदिर समिति को भक्तों की भीड़ को देखते हुए मंदिर 22 घंटे तक खुला रखना पड़ा, जिसमें 16 घंटे से अधिक समय तक यात्रियों को दर्शनों कराए गए। जून में मौसम की दुश्वारियों और हेलीकॉप्टर क्रैश होने के बाद भी पैदल यात्रा का उत्साह बना रहा। भले ही मई की तुलना में यात्री कम पहुंचे। बरसात में गौरीकुंड हाईवे के कई जगहों पर बार-बार बाधित होने से यात्रा को कई दिन रोकना पड़ा। हालात यह रहे कि अगस्त माह में सिर्फ 31 हजार श्रद्धालु केदारनाथ पहुंचे। मानसून की रफ्तार थमने और 15 सितंबर से यात्रा का दूसरा चरण शुरू होते ही यात्रियों की संख्या में भी इजाफा होने लगा। वहीं, इस सप्ताह बीते तीन दिनों से केदारनाथ में बर्फबारी के बीच बाबा केदार के भक्तों का उत्साह जोरों पर है। केदारनाथ में मौजूद बीकेटीसी के सदस्य डॉ. विनीत पोस्ती ने बताया कि खराब मौसम के बाद भी धाम में यात्रियों की अच्छी संख्या बनी हुई है।
केदारनाथ मंदिर के कपाट बंद होने में 14 दिन शेष हैं, ऐसे में उम्मीद है कि दर्शनार्थिथों की संख्या साढ़े सत्रह लाख तक पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि सभी यात्रियों के भोजन और रात्रि प्रवास का बेहतर इंतजाम किया जा रहा है।
एसडीएम अनिल कुमार शुक्ला ने बताया कि केदारनाथ यात्रा में जुलाई-अगस्त में कुछ ही दिन खराब मौसम के कारण यात्रा बंद थी, लेकिन दर्शन करने वाले श्रद्धालु नियमित रहे।

लीलियम की खेती से काश्तकारों की आय बढ़ाने को कवायद शुरू

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले में उद्यान विभाग की ओर से लीलियम के उत्पादन से काश्तकारों की आय बढ़ाने की कवायद शुरू हो गई है।
जिलाधिकारी संदीप तिवारी के मार्गदर्शन में चमोली जनपद में फूलों की खेती के जरिए काश्तकारों की आय बढाने के लिए उद्यान विभाग ने जोरदार कवायद शुरू कर दी है। इसके तहत जिला योजना के माध्यम से विभाग ने इस वर्ष जनपद में बड़े पैमाने पर लीलियम की व्यावसायिक खेती करने का कार्य शुरू कर दिया गया है। विभाग की ओर से जिले में लीलियम के बल्ब वितरण का कार्य शुरू कर दिया है।

उद्यान विभाग की ओर से दशोली ब्लॉक के रौली, मंडल, बैरागना और कोटेश्वर गांव के 12 काश्तकारों को लीलियम के 24 हजार बल्ब का वितरित किए गए। मुख्य उद्यान अधिकारी नितेंद्र सिंह ने बताया कि चमोली जनपद में बीते दो वर्षों से विभाग की ओर से 16 काश्तकारों के साथ पायलट प्रोजेक्ट के तहत लीलियम का उत्पादन किया जा रहा है। इससे काश्तकारों की बेहतर आय प्राप्त हो रही है। जिलाधिकारी संदीप तिवारी के निर्देश पर इस वर्ष जनपद में लीलियम के उत्पादन को बढ़ाने की योजना बनाई गई है। इसके तहत जिला योजना के माध्यम से 19 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई है।

ACTION INDIA
देहरादून, 10 अक्टूबर 2025
दैनिक एक्शन इंडिया
www.actionindialive.com

स्वस्थ शरीर और अनुशासन ही राष्ट्र निर्माण का आधारः योगी आदित्यनाथ

- मुख्यमंत्री ने कहा, कभी बीमारू व माफिया राज्य अब खेलों से आत्मनिर्भर और सशक्त होगा नया उप्र
- झांसी में विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित 36वें क्षेत्रीय खेलकूद के समापन समारोह में शामिल हुए सीएम योगी

टीम एक्शन इंडिया

झांसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झांसी की ऐतिहासिक धरती से प्रदेश के खिलाड़ियों को आत्मनिर्भरता और सफलता का मंत्र दिया। विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित 36वें क्षेत्रीय खेलकूद समारोह में पहुंचे सीएम योगी ने खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए कहा कि 'स्वस्थ शरीर ही धर्म और राष्ट्र निर्माण का आधार है'। इस अवसर पर उन्होंने भानी देवी गोयल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में मिनी स्टेडियम निर्माण की घोषणा की और कहा कि खेल अब केवल शौक नहीं, बल्कि जीवन को संवारने का सशक्त माध्यम बन चुका है। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के शौर्य और पराक्रम की धरती पर विद्या भारती के 36वें क्षेत्रीय खेलकूद समारोह में शामिल होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। विद्या भारती देश में भारतीय परंपरा, संस्कृति और राष्ट्रीयता के प्रति श्रद्धा जगाने वाली अग्रणी संस्था है। 1952 में गोरखपुर में नानाजी देशमुख द्वारा स्थापित इस संस्था ने आज देशभर में 25,000 से अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से भारतीय मूल्यों को बढ़ावा दिया है। उन्होंने विद्या भारती के प्रथम छात्र देवेंद्र सिंह को सम्मानित करते हुए कहा कि यह संस्था बिना सरकारी सहयोग के राष्ट्रीय आदर्शों को जीवंत रखने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि झांसी की यह धरती राष्ट्रीयता और शौर्य की प्रेरणा देती है। विद्या भारती के प्रयास देश को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

आज उत्तर प्रदेश के नागरिकों को पहचान का संकट नहीं

सीएम योगी ने खेल को सर्वांगीण विकास का माध्यम बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए स्वस्थ और सशक्त नागरिक जरूरी है। 'शरीर माध्यम खलु धर्म साधनम' का मंत्र हमारे ऋषियों ने दिया। 2017 से पहले उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य था, लेकिन पिछले 8.5 वर्षों में यह देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है और जल्द ही नंबर एक बनेगा। सीएम योगी ने कि आज उत्तर प्रदेश के नागरिकों को पहचान का संकट नहीं है। अब जब कोई कहता है कि वह यूपी से है, तो सामने वाले के चेहरे पर गर्व और सम्मान की चमक दिखती है। यह नया उत्तर प्रदेश है, जो अपनी विरासत का भी सम्मान करता है और विकास की राह पर भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं संचालित कर रही है। हर गांव में खेल मैदान, विकासखंड में मिनी स्टेडियम, जनपद में स्टेडियम और नगरों में ओपन जिम बनाए जा रहे हैं।

सीएम योगी ने गिनाई विद्या भारती की उपलब्धियां

सीएम योगी ने विद्या भारती की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि आज यह संस्था भारत की परंपरा और संस्कृति को मजबूत करने वाली अग्रणी शक्ति बन चुकी है। 1952 में गोरखपुर की धरती पर राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख द्वारा बोए गए बीज से आज देशभर में 25,000 से अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थान संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश में सेक्युलर दिखाने की होड़ ने भारतीय मूल्यों को हाशिए पर धकेला, लेकिन विद्या भारती ने बिना सरकारी सहयोग के गाँव से शहर और वनवासी क्षेत्रों तक शिक्षा का राष्ट्रीय मॉडल खड़ा किया।

प्रदेश सरकार ने मेरठ में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी स्थापित की

सीएम योगी ने कहा कि आज इस वीरभूमि में पहुंचकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। रानी लक्ष्मीबाई ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में मेरी झांसी गुलाम नहीं होगीह्व का संदेश दिया और 23 वर्ष की आयु में बलिदान दे दिया। मेजर ध्यानचंद ने हॉकी में भारत को दो बार ओलंपिक स्वर्ण पदक दिलाया। आज उनके नाम पर भारत सरकार ने खेल रत्न पुरस्कार और प्रदेश सरकार ने मेरठ में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी स्थापित की है।

सीएम योगी ने खेलों में विद्या भारती की गिनाई उपलब्धियां

मुख्यमंत्री ने गर्व से बताया कि विद्या भारती के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है। 2006 में स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने विद्या भारती को मान्यता दी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कन्वेंशन सेंटर में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के लाभार्थियों को योजना के चेक प्रदान किए

पंजाब में बब्बर खालसा के दो आतंकी गिरफ्तार, ढाई किलो आरडीएक्स

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने त्योहारी सीजन में बड़ी वारदात की योजना को विफल बनाते हुए बब्बर खालसा के दो आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से ढाई किलो आरडीएक्स बरामद किया गया है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस टीम ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई समर्थित आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल के एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर-के गुरजिंदर सिंह और दीवान सिंह को गिरफ्तार किया है। हैंडलर निशान और आदेश के जरिए संचालित हो रहा था, जिन्हें बीकेआई के मास्टरमाइंड हरविंदर सिंह रिंदा के निर्देश मिल रहे थे।

भगवान श्रीकृष्ण की स्मृतियों को संजोने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगेः मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव मथुरा से आरंभ श्रीकृष्ण गुरूकुल शिक्षा यात्रा के समापन कार्यक्रम में वर्चुअली हुए शामिल

टीम एक्शन इंडिया

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्रीकृष्ण गुरूकुल शिक्षा यात्रा में शामिल सभी संतों, तीर्थ पुरोहित महासंघ, धर्म यात्रा महासंघ और विश्व हिंदू परिषद का अभिनंदन करते हुए कहा कि आज उज्जैन एक अद्भुत क्षण का साक्षी बन रहा है। यात्रा में सम्मिलित सभी सहभागी उस मार्ग पर चलकर आए हैं, जिस पर हमारे आराध्य श्रीकृष्ण शिक्षा ग्रहण करने के लिए मथुरा से उज्जैन स्थित आचार्य सांदीपनी के आश्रम पधारे थे। संतगण को उस पावन मार्ग से गुजरने का अवसर मिला, जहां श्रीकृष्ण की चरणरज पड़ी थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को मथुरा से आरंभ श्रीकृष्ण गुरूकुल शिक्षा यात्रा के उज्जैन में आयोजित समापन समारोह को राजधानी भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि मथुरा से 5 अक्टूबर को आरंभ हुई यात्रा जयपुर, कोटा, झालावाड़ और आगरा होते हुए उज्जैन पहुंची थी। उज्जैन के समापन कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद उमेशनाथ महाराज, विश्व हिन्दू परिषद के केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह, तीर्थ पुरोहित महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रयागनाथ चतुर्वेदी उपस्थित रहे।

हमारी संस्कृति हमें समाज और सृष्टि के कल्याण के लिए जीना सिखाती है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सांदीपनी आश्रम गुरू-शिष्य परम्परा की अनादि महिमा का साक्षात प्रतीक है। जहां हर कण में श्रीकृष्ण की विनम्रता, बलराम की शक्ति और सुदामा की भक्ति समाई हुई है।

सांदीपनी आश्रम में भगवान श्रीकृष्ण ने शिक्षा पाई और संसार को गीता का उपदेश देकर योगीराज बने। हमारी सनातन संस्कृति का परम ज्ञान परमार्थ है। हमारी संस्कृति हमें समाज और सृष्टि के कल्याण के लिए जीना सिखाती है। भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर ग्रामवासियों की रक्षा की और कुरूक्षेत्र में अर्जुन को गीता के माध्यम से धर्म और कर्तव्य का मार्ग दिखाया।

मुख्यमंत्री साय का हेलीपेड पर जनप्रतिनिधियों ने किया स्वागत

टीम एक्शन इंडिया

कोरबा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज गुरुवार को कोरबा जिले के प्रवास पर पहुंचे। मुख्यमंत्री का कटघोरा के मेला ग्राउंड हेलीपेड पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री साय का विधायक कटघोरा प्रेमचंद पटेल, आईजी संजीव शुक्ला, कलेक्टर अजीत वसंत, कटघोरा डीएफओ कुमार निशांत सहित अन्य अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया।

अश्विनी वैष्णव ने किया ट्रेड शो और एग्जीबिशन का उद्घाटन

टीम एक्शन इंडिया

गांधीनगर। केंद्रीय रेल व आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को मेहसाणा में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) समारोह से पूर्व वीजीआरसी के अंतर्गत आयोजित ट्रेड शो और एग्जीबिशन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर वित्त मंत्री कनुभाई दसाई, स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेशभाई पटेल तथा उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत मौजूद रहे। राज्य सूचना विभाग ने अपने बयान में बताया कि केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री और अन्य गणमान्यों ने वीजीआरसी प्रदर्शनी का अवलोकन किया, जहां विभिन्न क्षेत्रों के उत्पादों, नवाचारों और टेक्नोलॉजी का प्रदर्शन किया गया है।

यह कार्यक्रम आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल और टिकाऊ आर्थिक विकास के विजन को आगे बढ़ाने के लिए नवोन्मेषकों, उद्यमियों, निवेशकों, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई), स्टार्टअप्स, विदेशी खरीदारों, कई बड़ी कंपनियों, सरकारी विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों और वैश्विक भागीदारों को एक साथ लाने का प्रयास है।

गौरतलब है कि लगभग 18 हजार वर्ग मीटर के विशाल प्रदर्शनी क्षेत्र में ट्रेड शो का भी आयोजन किया गया है, जिसमें कृषि और खाद्य प्रसंस्करण तथा नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े 400 से अधिक प्रदर्शक हिस्सा ले रहे हैं। इसके अलावा, टोरेन्ट, वेलस्पन, एनएचपीसी, एनटीपीसी, कोसोल, सुजलॉन, अवाडा, निरमा, आईएनओएक्स, अदानी, मारुति सुजुकी, पावरग्रिड कॉर्पोरेशन लिमिटेड और ओएनजीसी जैसी अग्रणी कॉर्पोरेट कंपनियां भी शामिल हैं। प्रदर्शनी के एक हिस्से के रूप में दूधसागर डेयरी, ओएनजीसी, वेस्टर्न रेलवे और मकेन फूड्स जैसे संस्थानों के साथ वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम (वीडीपी) का आयोन किया जाएगा, जिसका उद्देश्य उद्योग संबंधों को मजबूत बनाने के साथ ही स्थानीय उद्योगों के विकास को बढ़ावा देना है।

राजस्थान में केवल लूट और झूठ की सरकारः गहलोत

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार के कारण जल जीवन मिशन को फेल करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि राजस्थान में केवल लूट और झूठ की सरकार चल रही है। गहलोत ने जल जीवन मिशन के तहत जल कनेक्शनों की गिरावट को लेकर सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने 2024-25 के बजट में 25 लाख जल कनेक्शन जल जीवन मिशन के तहत देने की घोषणा की परन्तु केवल 9 लाख 44 हजार कनेक्शन ही दे सकी जो कांग्रेस सरकार द्वारा 2022-23 में लगाए गए 13 लाख 88 हजार व

2023-24 में लगाए गए 12 लाख 17 हजार से भी कम था। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर गुरुवार को पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा कि राजस्थान में केवल लूट और झूठ की सरकार चल रही है। बजट वर्ष 2025-26 में 20 लाख नल कनेक्शन देने की घोषणा की गई परन्तु आज इस बजट वर्ष के 6 महीने बीत जाने के बाद भी केवल 97 हजार कनेक्शन जारी किए जा सके हैं।

इस औसत से इस बजट वर्ष में केवल 2 लाख कनेक्शन जारी होंगे। यह भाजपा की झूठ उजागर करता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि अब यह सामने आया है कि इस योजना को लागू कर रहे पीएचईडी विभाग के छह एडिशनल चीफ इंजिनियर, तीन सुप्रिटेंडेंट इंजिनियर, 17 एक्सईएन को केवल इसलिए लम्बे समय से एपीओ किया हुआ है और अपने चहेते अधिकारियों को डबल चार्ज दिया हुआ है।

इसकी वजह क्या है क्या भ्रष्टाचार की इस नीयत के कारण ही भाजपा सरकार में जल जीवन मिशन फेल हो रहा है गहलोत ने कहा, 11 अक्टूबर को जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल राजस्थान आ रहे हैं। उन्हें मुख्यमंत्री से पूछना चाहिए कि डबल इंजन सरकार में राजस्थान में जल जीवन मिशन की दुर्गति क्यों हो रही है।

उप्र के फरुर्खाबाद में विमान दुर्घटनाग्रस्त, सभी बाल-बाल बचे

फरुर्खाबाद। उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद जिले के मोहम्मदाबाद क्षेत्र में बनी हवाई पट्टी पर एक प्राइवेट चार्टर प्लेन उड़ान भरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में दो पायलट सहित पांच लोग सवार थे। सभी सुरक्षित हैं। मोहम्मदाबाद हवाई पट्टी पर प्राइवेट चार्टर प्लेन उड़ान भरते समय रनवे पर फिसल गया और पास की झाड़ियों में घुस गया। विमान मे एक बीयर कंपनी के एमडी अजय अरोड़ा, एसबीआई अधिकारी सुमित शर्मा, डीपीओ राकेश टीकू के अलावा पायलट कैप्टन नसीब वामल और प्रतीक फर्नांडीज सवार थे।

सत्ता से बाहर होने पर सपा को याद आते हैं हमारे महापुरुष और पीडीएः मायावती

टीम एक्शन इंडिया

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमला बोलते हुए कहा कि जब ये सत्ता में रहते हैं तो हमारे संत, महापुरुष और पीडीए याद नहीं आते। सत्ता से बाहर होने पर उनके नाम का गुणगान करते संगोष्ठी और कार्यक्रम करने लगते हैं। बसपा प्रमुख ने गुरुवार को पार्टी संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि पर लखनऊ में भारी संख्या में पहुंचे कार्यकताओं को सम्बोधित किया। इससे पहले उन्होंने कांशीराम के चरणों में पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

बसपा प्रमुख ने कहा कि कांशीराम की पुण्यतिथि पर संगोष्ठ का ऐलान करने वाले इन समाजवादियों के दोहरे चरित्र से लोगों को सावधान रहना चाहिए। आज कांशीराम की पुण्यतिथि पर सपा के लोग संगोष्ठी करना चाहते हैं। जब वे सत्ता में रहते है तो न कांशीराम याद आते हैं न बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर। जब इनकी सरकार चली जाती है तो इन्हें पीडीए याद आ जाता है और हमारे संत-गुरुओं की संगोष्ठी करने लग जाते हैं। मायातवी ने कहा कि सपा ने ना केवल कांशीराम जी के जीते-जी उनके पार्टी के साथ दगा करके उनके मूवमेन्ट को यूपी में कमजोर करने की लगातार कोशिशें कीं हैं। बल्कि बसपा सरकार में कासगंज को ज़िला मुख्यालय का दर्जा देकर कांशीराम नगर के नाम से बनाये गये नये ज़िला के नाम को भी जातिवादी सोच व राजनीतिक द्वेष के कारण बदल दिया।

मुख्यमंत्री शर्मा से महाराष्ट्र के प्रवासी राजस्थानियों ने की मुलाकात

टीम एक्शन इंडिया

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर महाराष्ट्र से आए राजस्थान प्रकोष्ठ के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान एवं महाराष्ट्र के मध्य सामाजिक एवं आर्थिक एक्सचेंज प्रोग्राम सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। राज्य में प्रचुर मात्रा में सौर ऊर्जा, खनिज सम्पदा का भंडार, बिजली-पानी की पर्याप्त उपलब्धता और निवेश अनुकूल नीतियां है।

उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से

इस निवेश-परक वातावरण का लाभ उठाते हुए प्रदेश में अधिक से अधिक निवेश की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को उद्यम स्थापित करने में हरसंभव मदद करेगी। इस दौरान श्री शर्मा ने आगामी 10 दिसम्बर को प्रस्तावित प्रवासी राजस्थानी दिवस के लिए प्रवासी राजस्थानियों को आमंत्रित किया। इस अवसर पर राजस्थान प्रकोष्ठ के अध्यक्ष संजय मंत्री, नंदकिशोर मालपानी सहित विभिन्न प्रवासी राजस्थानी मौजूद रहे।

अयोध्या में सीतारमण ने परिवार संग उतारी रामलला की आरती

टीम एक्शन इंडिया

अयोध्या। भारत की सांस्कृतिक राजधानी कही जाने वाली प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में गुरुवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने परिवार संग प्रभु रामलला के दर्शन कर आरती उतारी। केंद्रीय मंत्री ने श्रीराम दरबार परिसर में स्थित मां दुर्गा के दर्शन और कुबेर टीला पर देवाधिदेव महादेव का पूजन और जलाभिषेक किया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बुधवार को दो दिवसीय दौरे पर परिवार संग उत्तर प्रदेश में श्रीराम की नगरी अयोध्या पहुंची हैं। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से केंद्रीय वित्त मंत्री का पुष्पगुच्छ देकर अभिवादन किया गया। तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चम्पत राय ने केंद्रीय वित्त मंत्री को मंदिर परिसर का भ्रमण कराया और निर्माण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। निर्मला सीतारमण ने मंदिर के भव्य स्वरूप को देखकर आस्था और गर्व की भावना व्यक्त की। इस दौरान मंदिर परिसर की सुरक्षा, दर्शन व्यवस्था और विकास योजनाओं पर भी चर्चा हुई।

आध्यात्मिक तेज में डूबीं वित्त मंत्रीः आरती के दौरान श्रीरामलला का दरबार भक्ति रस से सराबोर हो उठा। सरयू तट से आती मंद बयार और मंदिर प्रांगण में गूंजते भजनों ने वातावरण को और भी पवित्र बना दिया। वित्त मंत्री ने दीप प्रज्वलन के बाद आरती में शामिल श्रद्धालुओं के साथ 'जय श्रीराम' का उद्घोष किया।

अयोध्या का गौरव बना विश्व का आध्यात्मिक केंद्रः अयोध्या अब केवल एक नगर नहीं, बल्कि

- केंद्रीय मंत्री ने श्रीराम दरबार, मां दुर्गा के दर्शन कर महादेव का जलाभिषेक
- ट्रस्ट के महामंत्री चम्पत राय ने परिसर भ्रमण कराने के दौरान दी जानकारी

भारत की आस्था, संस्कृति और सभ्यता का जीवंत प्रतीक बन चुकी है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण पूरा होने के बाद से देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। यहां आने वाले हर श्रद्धालु को रामायणकालीन इतिहास और आधुनिक भव्यता का संगम देखने को मिलता है।

संपादकीय

नारी शक्ति का सवश्रेष्ठ उदाहरण है करवा चौथ

करवा चौथ सभी विवाहित महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार है। सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक पत्नियाँ अपने पति की सलामती के लिए व्रत रखती हैं। पूरे दिन बिना पानी पिए और कुछ भी खाए व्रत रखना आसान नहीं है, लेकिन स्नेही पत्नियाँ अपने पति के प्रति पूरे प्रेम और सम्मान के साथ ये सभी रस्में निभाती हैं। यह त्यौहार हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। करवा चौथ का व्रत हर साल महिलाओं द्वारा अपने पतियों के लिए किया जाता है और यह न केवल एक त्यौहार है बल्कि यह पति-पत्नी के पवित्र रिश्तों का पर्व है। कहने को तो करवा चौथ का त्यौहार एक व्रत है लेकिन यह नारी शक्ति औ? उसकी क्षमताओं का सवश्रेष्ठ उदाहरण है। क्योंकि नारी अपने दृढ़ संकल्प से यमराज से भी अपने पति के प्राण ले आती हैं तो फिर वह क्या नहीं कर सकती हैं। आज के नये जमाने में भी हमारे देश में महिलायें हर वर्ष करवा चौथ का व्रत पहले की तरह पूरी निष्ठा व भावना से मनाती है। आधुनिक होते समाज में भी महिलायें अपने पति की दीर्घायु की लेकर सचेत रहती है। इसीलिये वो पति की लम्बी उम्र की कामना के साथ करवा चौथ का व्रत रखना नहीं भूलती है। पत्नी का अपने पति से कितने भी गिले-शिकवे रहें हो मगर करवा चौथ आते-आते सब भूलकर वो एकाग्र चित्त से अपने सुहाग की लम्बी उम्र की कामना से व्रत जरूर करती है। करवा चौथ शब्द करवा अर्थात मिट्टी का बर्तन और चौथ अर्थात चतुर्थी से मिलकर बना है। इस पर्व पर मिट्टी के करवे का विशेष महत्व होता है। सभी विवाहित महिलाएं पूरे वर्ष इस त्योहार की प्रतीक्षा करती हैं और इसकी सभी रस्मों को श्रद्धा के साथ निभाती हैं। हमारा देश एक धर्म प्रधान देश हैं। यहां साल के सभी दिनो का महत्व होता है तथा साल का हर दिन पवित्र माना जाता है। भारत में करवा चौथ हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह भारत के राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पंजाब का पर्व है। यह कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। यह व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब 4 बजे के बाद शुरू होकर रात में चन्द्रमा दर्शन के बाद सम्पूर्ण होता है। ग्रामीण स्त्रियों से लेकर आधुनिक महिलायें करवा चौथ का व्रत बड़ी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ रखती हैं। यह व्रत लगातार 12 अथवा 16 वर्ष तक हर वर्ष किया जाता है। अवधि पूरी होने के पश्चात इस व्रत का उद्यापन किया जाता है। जो सुहागिन स्त्रियां आजीवन रखना चाहें वे जीवनभर इस व्रत को कर सकती हैं। किसी भी आयु, जाति, वर्ण, संप्रदाय की सौभाग्यवती स्त्रियों को ही यह व्रत करने का अधिकार है। जो सुहागिन स्त्रियां अपने पति की आयु, स्वास्थ्य व सौभाग्य की कामना करती हैं वे व्रत रखती हैं। बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी पर शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा की स्थापना करें। मूर्ति के अभाव में सुपारी पर नाल बांधकर ईश्वर का स्मरण कर स्थापित करें।

नई दिल्ली कार्यालय
एक्शन बालाजी हाउस, बी-244, मजलिस पार्क, दिल्ली- 110033

उत्तरी दिल्ली कार्यालय
शक्ति कॉम्पलैक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली- 110042

चंडीगढ़ कार्यालय
फर्स्ट फ्लोर, देश सेवक बिल्डिंग, सेक्टर- 29डी, चंडीगढ़

पंजाब कार्यालय
7/2, थर्ड फ्लोर, मोनिका, टावर, ईआर-146, पक्का बाग, मिलाप चौक, जालंधर

करनाल कार्यालय
224, सेक्टर 32पी, करनाल- 132001

सोनीपत कार्यालय
एक्शन इंडिया कार्यालय, अपोजिट एनएस कम्प्यूटर, झंडी रोड, गीता भवन चौक सोनीपत- 131001

शिमला कार्यालय
किशोर भवन, जोधा निवास, डेजी बैंक एस्टेट, लोअर जाखू, शिमला- 171001

ऊना कार्यालय
कृष्णा टावर, सब्जी मंडी के सामने, ऊना-174303

देहरादून कार्यालय
7/1, बल्लुपुर रोड, कृष्णा नगर चौक, देहरादून

महिलाओं और बेटियां की कम या घटती संख्या

विजय गर्ग

> "यह दुखद सच है कि लड़कियों के अनुपात में गिरावट के कारण कई ग कई राज्यों में युवाओं को में कई गरीब इलाकों के निर्धन परिवारों को विवाह के लिए लड़कियां नहीं मिल रही हैं। ऐसी खबरें आम रही आम रहा है, जिनम की लड़कियों को खरीद कर शादी करने के बारे में चिंता जताई जाती है। दलालों के जरिए खरीद- -फरोख्त का यह सिलसिला दिनों-दिन बढ़ रहा है। यह निराशाजनक है कि इसे रोकने के लिए किसी भी स्तर पर ठोस प्रयास नहीं किया जा रहा जा रहा है।"

यह एक विचित्र विडंबना है कि पिछले कई दशकों से लगातार स्त्री-पुरुष अनुपात में बढ़ती खाई को लेकर चिंता जताई जाती रही है। इसे रोकने के लिए तमाम जागरूकता अभियानों से लेकर सरकारी कार्यक्रम भी चलाए गए। मगर आज भी पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की कम या घटती संख्या के प्रति चिंता का स्तर एक ही जगह थम गया लगता है। हालत यह है कि इसके एक मुख्य कारण के रूप में भ्रूण हत्या पर चर्चा होती है, उसे रोकने के लिए नियम-कायदे भी बनाए जाते हैं, लेकिन अब भी इसका सहारा लेकर बेटियों को दुनिया में आने से पहले ही रोक देते हैं। भारत में भ्रूण हत्या मानो आम बात । चली है। जन्म के बाद लड़कियों को लावारिस छोड़ने अथवा झाड़ियों में फेंकने की भी घटनाएं आए दिन सामने आती रहती हैं। तमाम प्रयासों बाद भी भ्रूण हत्या और नवजातों की मौत को रोका नहीं जा सका है। जबकि देश में भ्रूण हत्या से लिंगानुपात लगातार बिगड़ रहा है, जिससे आने वाले समय में सामाजिक असंतुलन बढ़ता ही जाएगा। भ्रूण हत्या ऐसी ई है, जिसके आंकड़े न केवल डरावने हैं, बल्कि किसी भी संवेदनशील व्यक्ति और समाज को झकझोरते भी हैं। सरकार के आंकड़ों

आधार पर 'प्यू रिसर्च सेंटर' की एक रपट कहती है कि वर्ष 2000 से 2019 तक भारत में कम से कम 90 लाख भ्रूण हत्या हुई। इनमें 186.7 फीसद हिंदुओं (80 फीसद आबादी), 4.9 प्रतिशत सिखों (1.7 फीसद आबादी) और 6.6 फीसद मुसलमानों (14 फीसद आबादी) में दर्ज की गई। हालांकि बेटे को वरीयता देने में अब कमी आई है, फिर देश में गर्भपात जारी हैं। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, 0-6 वर्ष आयु वर्ग प्रति एक हजार लड़कों पर 914 लड़कियां थीं। जबकि वर्ष 1991 में यह अनुपात 945 था। भारत में लिंग अनुपात की कोई अच्छी स्थिति नहीं है। स्पष्ट है कि यह भ्रूण हत्या की ओर ही इशारा करती है। लांसेट की रपट कहती है कि हर वर्ष 2.39 लाख अतिरिक्त बालिका मृत्यु से कम) दर्ज । मृत्यु (5 वर्ष कम) दर्ज की जाती हैं, जो मुख्य रूप से उपेक्षा और कुपोषण के कारण होती हैं। वहीं राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो का आंकड़ा बताता है कि देश में वर्ष 2022 में शिशु हत्या के 63 मामले दर्ज किए गए, जिनमें : महाराष्ट्र में सबसे अधिक 25 मामले । कन्या शिशु हत्या 1 के विशिष्ट आंकड़े अलग से नहीं दिए गए। यह संख्या वास्तविकता से बहुत कम हो सकती है, क्योंकि कई मामले उपेक्षा के कारण भुखमरी बता कर दर्ज नहीं होते। असल में कन्या भ्रूण हत्या के आंकड़े अनुमान पर आधारित हैं, क्योंकि गर्भपात के सभी मामले प्रायः दर्ज नहीं होते। दूसरी ओर नवजात की मौत के मामले भी कम दर्ज होते हैं, क्योंकि इन्हें अक्सर मृत जन्म या प्राकृतिक मृत्यु के रूप दिखाया जाता है। हरियाणा, पंजाब और उत्तराखंड जैसे राज्यों में लिंग अनुपात में भारी असंतुलन है। यह स्थिति गंभीर है। उत्तराखंड में 2019 के दौरान 132 गांवों में तीन महीने तक एक भी कन्या का जन्म नहीं हुआ। सरकार बाकायदा कानून पारित कर भ्रूण परीक्षण प्रतिबंध लगा चुकी है। इसके बावजूद हालात नहीं बदले। देश में हजारों क्लीनिक ऐसे हैं, जहां आज भी भ्रूण परीक्षण चोरी-छिपे चल रहा है। राज्य सरकारों के पास इतने संसाधन नहीं हैं कि सभी क्लीनिकों पर नजर रखी जा सके। इसके लिए आम नागरिकों को जागरूक होना होगा और सरकार की मदद करनी होगी। उधर, लड़कियों को जन्म से पहले मारने की प्रथा अब वहां भी प्रचलित हो रही है, जो अब तक इससे बचे हुए थे जैसी खबरें आ रही हैं, अब जम्मू-कश्मीर में भी स्थिति चिंताजनक है। वहां का श्रीनगर शहर पंजाब, हरियाणा और उत्तराखंड की राह पर है। ऐसी ही स्थिति और भी कई शहरों की बन रही है। लड़कियों के प्रति इस नकारात्मक सोच के गंभीर सामाजिक परिणाम हो सकते हैं। यह बेहद चिंता का विषय है। बार-बार गर्भपात से स्त्रियों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है। यदि लड़कियों की संख्या इसी तरह घटती रही, तो आगे चल कर महिलाओं के खिलाफ हिंसक घटनाएं बढ़ने का अंदेशा है। विवाह के लिए उनका अपहरण किया जाएगा, उनकी इज्जत पर हमले होंगे। ऐसे में यह एक गंभीर स्थिति होगी। कर लड़कियों की कम संख्या उनके सम्मानजनक जीवन जीने के अवसरों कुल मिला को कम कर देगी और उनसे जुड़ी कई कुप्रथाओं भी बढ़ावा देगी। वहीं कई सामाजिक अवधारणाओं के कारण जब वह दिन शुरू मां के गर्भ में यह संघर्ष उसके जीवन के एक बड़े हिस्से को निगल' जाता है इस दुनिया में जीने की इजाजत क्यों न हो। इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि कन्या भ्रूण हत्या अब किसी दायरे में सिमटी नहीं रह गई है। । शहरी क्षेत्रों क्षेत्रों और महानगरों में रहने वाले अति आधुनिक भले ही उसे शिक्षित लोग भी गर्भ में ही बालिकाओं की पहचान करा कर उसे खत्म करने में करने में पीछे नहीं हैं। यह बेहद ही दुखद स्थिति है। लड़कियों की संख्या घटने का एक कारण यह भी है कि सरकार के जनसंख्या नियंत्रण अभियानों में कई कमियां रही हैं। आंध्र प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में सरकार ने दो से अधिक बच्चों वाले' माता-पिता को कुछ अधिकारों से वंचित कर दिया है। जैसे, तीन बच्चों की मां को की मां को सरकारी नौकरी नहीं मिल सकती। यदि वह कर्मचारी है, तो है, तो कई तरह की सुविधाएं नहीं मिलेंगी। इसका सीधा असर महिलाओं के प्रति सामाजिक धारणा और संकीर्ण होने के रूप में सामने आता है। यह दुखद सच है कि लड़कियों के अनुपात में गिरावट के कारण कई ग कई राज्यों में युवाओं को में कई गरीब इलाकों के निर्धन परिवारों को विवाह के लिए लड़कियां नहीं मिल रही हैं। ऐसी खबरें आम रही आम रहा है, जिनम की लड़कियों को खरीद कर शादी करने के बारे में चिंता जताई जाती है। दलालों के जरिए खरीद- -फरोख्त का यह सिलसिला दिनों-दिन बढ़ रहा है। यह निराशाजनक है कि इसे रोकने के लिए किसी भी स्तर पर ठोस प्रयास नहीं किया जा रहा जा रहा है। के लिए खतरा है, बल्कि समाज के संतुलन को भी बिगाड़ रहा है। इसे' इसे रोकने के । के लिए हर परिवार को जागरूक करना होगा, ताकि वे बेटियों को समान अधिकार और सुरक्षा देने की अहमियत को समझ सकें। हमें हर घर तक यह संदेश पहुंचाना होगा कि बेटियां बोझ नहीं, बल्कि देश और समाज की ताकत हैं। हमें उनके जन्म का उत्सव मनाना होगा और उनके शिक्षा और स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखना होगा। कोई दोराय नहीं कि भ्रूण हत्या से लिंगानुपात बिगड़ रहा है, जिससे आने वाले समय में सामाजिक असंतुलन बढ़ जाएगा। इसके लिए जरूरी है कि कन्या शिशु का स्वागत करें और उनका पालन-पोषण तथा शिक्षा सुनिश्चित करें। इस तरह की सोच से ही हम समाज में बदलाव ला सकते हैं। हमें इस दिशा में एकजुट होकर काम करना होगा, ताकि हर बेटी सुरक्षित माहौल में पल कर आगे बढ़ सके।

मानसिक स्वास्थ्य रक्षा का संकल्प

हर्षिता दुसेजा

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हर वर्ष 10 अक्टूबर को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, मानसिक बीमारियों से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना और समाज में मानसिक रूप से अस्वस्थ लोगों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना है। आधुनिक समय में जब जीवन की गति अत्यधिक तेज हो गई है, प्रतिस्पर्धा बढ़ी है, सामाजिक संबंध कमजोर हुए हैं और डिजिटल दुनिया का प्रभाव बढ़ा है, तब मानसिक स्वास्थ्य का महत्व और भी बढ़ गया है। आज यह केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और वैश्विक चुनौती बन चुकी है। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस की शुरुआत वर्ष 1992 में विश्व मानसिक स्वास्थ्य महासंघ द्वारा की गई थी। प्रारंभ में इसका उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाना था, लेकिन बाद में यह एक वैश्विक आंदोलन का रूप ले चुका है। हर वर्ष इस दिन को एक विशेष विषय या थीम के साथ मनाया जाता है, ताकि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी किसी विशेष समस्या पर गहराई से ध्यान दिया जा सके। विश्व स्वास्थ्य संगठन और विभिन्न देशों की सरकारें इस अवसर पर अभियान चलाकर यह संदेश देते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही आवश्यक है। मानसिक स्वास्थ्य का अर्थ केवल मानसिक बीमारी का अभाव नहीं है, बल्कि यह उस स्थिति को दर्शाता है जिसमें व्यक्ति अपने जीवन में संतुलन बनाए रख सके, तनाव का प्रभावी ढंग से सामना कर सके, अपनी क्षमता का पूरा उपयोग कर सके और समाज में सार्थक योगदान दे सके। जब मन स्वस्थ होता है, तब व्यक्ति आत्मविश्वास से भरपूर रहता है, जीवन के निर्णय बेहतर ढंग से ले पाता है और दूसरों के साथ सकारात्मक संबंध बनाए रखता है। मानसिक स्वास्थ्य व्यक्ति के शारीरिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है, क्योंकि तनाव और चिंता कई शारीरिक बीमारियों की जड़ होते हैं। आज मानसिक स्वास्थ्य के सामने कई चुनौतियां हैं। समाज में मानसिक बीमारियों को लेकर अनेक भ्रांतियां और पूर्वाग्रह हैं। लोग इसे कमजोरी या शर्म की बात समझते हैं और अक्सर उपचार से बचते हैं। जानकारी का अभाव भी एक बड़ी समस्या है; बहुत से लोग यह पहचान ही नहीं पाते कि वे मानसिक तनाव या अवसाद से जूझ रहे हैं। स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, स्थिति को और जटिल बना देती है। आधुनिक जीवनशैली में बढ़ता तनाव, काम का दबाव, बेरोजगारी, पढ़ाई की प्रतिस्पर्धा, पारिवारिक असंतोष और डिजिटल उपकरणों की लत मानसिक स्वास्थ्य को गहराई से प्रभावित कर रहे हैं। मानसिक समस्याएं अक्सर धीरे-धीरे उभरती हैं और उनके संकेत कभी-कभी मामूली लगते हैं। लगातार उदासी, किसी काम में मन न लगना, नींद या भूख में बदलाव, चिड़चिड़ापन, आत्मविश्वास की कमी या आत्महत्या के विचार जैसी स्थितियाँ मानसिक अस्वस्थता के लक्षण हो सकते हैं। इन संकेतों को नजर अंदाज करना खतरनाक साबित हो सकता है। समय रहते इनकी पहचान और उपचार बहुत जरूरी है।

10 अक्टूबर- विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर विशेष

दलबीर मलिक

भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 25 जुलाई 2025 को सुकदेव साहा बनाम आंध्र प्रदेश राज्य एवं अन्य, 2025 लाइवलॉ (एस) 740 में एक निर्णय में मानसिक स्वास्थ्य को संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन के अधिकार का अभिन्न अंग घोषित किया है अर्थात मानसिक स्वास्थ्य देखभाल पाना एक संवैधानिक अधिकार है और राज्य का यह कर्तव्य है कि वह सभी के लिए मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित करे। भारत के संविधान का अनुच्छेद 21 किसी भी व्यक्ति को कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अलावा उसके जीवन या व्यक्तिगत स्वतंत्रता से वंचित नहीं करता है, जो मौलिक अधिकार के रूप में सभी नागरिकों और विदेशियों को समान रूप से उपलब्ध है। इस अधिकार के दायरे में स्वास्थ्य, चिकित्सा, आश्रय और स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार शामिल है, और यह जीवन को गरिमापूर्ण तरीके से जीने की क्षमता की रक्षा करता है। यद्यपि भारत में 7 अप्रैल 2017 को मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम 2017 पारित किया गया था जो 29 मई 2018 को अस्तित्व में आया। इस अधिनियम ने आत्महत्या के प्रयास को प्रभावी रूप से अपराधमुक्त कर दिया। भारतीय दंड संहिता की धारा 309 के अंतर्गत आत्महत्या एक दंडनीय अपराध था। इस अधिनियम में मानसिक बीमारी दौरान ऐसे व्यक्तियों के अधिकारों की रक्षा, संवर्धन और पूर्ति करने और उससे जुड़े या उसके आकस्मिक मामलों के लिए प्रावधान हैं। इस अधिनियम के अस्तित्व में आने के पश्चात पूर्व में लागू मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम, 1987 को निरस्त कर दिया गया है जो 22 मई 1987 को पारित किया गया था। आज भौतिकतावाद के युग में मानसिक समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। मनुष्य अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है लेकिन कहीं न कहीं एक सीमा तक ही वह सफल हो पाता है और जहां उसे सफलता नहीं मिलती वहां से अवसाद आरम्भ होता है। अवसाद एक मनोदशा विकार है जिसमें निरंतर उदासी, निराशा, और किसी भी चीज में रुचि की कमी महसूस होती है, जिससे व्यक्ति की सामान्य दैनिक गतिविधियों को करने की क्षमता प्रभावित होती है। यह स्थिति हफ्ते या महीने भर तक रह सकती है और शारीरिक व भावनात्मक दोनों तरह की समस्याओं को जन्म दे सकती है। अवसाद के कारण व्यक्ति कुसंग का शिकार हो सकता है। आज के समय में व्यक्ति एकाकी होकर रह गया है। आज किसी के पास समय नहीं है। मोबाइल की लत ने इसे और अधिक भयंकर रूप दे दिया है। नशे की और आकर्षण भी इस अवसाद का ही कारण है। वास्तव में ये सब मानसिक रोग की श्रेणी में आते हैं। अवसाद के एक उदाहरण में कोटा में आत्महत्या करने वाली छात्रा कृति का स्वलिखित सुसाइड नोट भारत सरकार और मानव संसाधन मंत्रालय को इंगित करता है जिसमे वह कह रही है कि अगर वो चाहते हैं कि कोई बच्चा न मरे तो जितनी जल्दी हो सके इन कोचिंग संस्थानों को बंद करवा दें। ये कोचिंग छात्रों को खोखला कर देते हैं। पढ़ने का इतना दबाव होता है कि बच्चे बोझ तले दब जाते हैं। कृति ने लिखा है कि वो कोटा में कई छात्रों को डिप्रेशन और स्ट्रेस से बाहर निकालकर सुसाईड करने से रोकने में सफल हुई लेकिन खुद को नहीं रोक सकी। अपनी मां के लिए उसने लिखा कि आपने मेरे बचपन और बच्चा होने का फायदा उठाया और मुझे विज्ञान पसंद करने के लिए मजबूर करती रहीं लेकिन मैं आपको बता दूं कि मुझे आज भी अंग्रेजी साहित्य और इतिहास बहुत अच्छा लगता है क्योंकि ये मुझे मेरे अंधकार के वक्त में मुझे बाहर निकालते हैं। दूसरी और लोगों के पास बहुत धन और सुख सुविधाएं होने पर भी वे संतुष्ट नहीं हैं। यहां पर संत कबीरदास की पंक्तियां वर्णनीय है जिसमें उन्होंने लिखा है- गौ धन, गज धन, बाजि धन और रत्न धन खान। जब आवै संतोष धन, सब धन धूरि समान। संत कबीरदास जी इस दोहे के द्वारा यह सन्देश दे रहे हैं कि सच्चा धन भौतिक संपदा नहीं है बल्कि मानसिक तृप्ति और संतोष है। वे कहते हैं कि इच्छाएं कभी खत्म नहीं होती। श्री रामचरितमानस के पंचम सोपान श्री सुंदरकांड में वर्णन मिलता है जब हनुमान जी माँ सीता की खोज में समुन्द्र पार कर रहे थे तब सुरसा ने हनुमान जी का मार्ग रोक दिया और हनुमान जी को खाने के लिए आतुर हुई। हनुमान जी ने अपने शरीर का आकर बड़ा कर लिया। सुरसा ने अपने मुख का आकर और बढ़ा दिया।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

एक्शन इंडिया मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक रवि भारद्वाज द्वारा एक्शन इंडिया कार्यालय, 7/1, बल्लूपुर रोड, डॉ टीपी पटनायक के सामने, कृष्ण नगर चौक के पास, देहरादून, उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, शक्ति कॉम्पलेक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110042 से मुद्रित।
संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी
समूह संपादक : रवि भारद्वाज (9999889104)
स्थानीय संपादक : हिमांशु अनिकेत (9837313943)
'एक्शन इंडिया' में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक केवल पीआरबी एक्ट के तहत ही उत्तरदायी। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

व्यंग्य

चोरी चिन्तन!

कस्तूरी दिनेश

रावणभाठा का यशस्वी चोर पालू मल्हार, चोरी को महान कला और खुद को एक उम्दा कलाकार बताता है! उसने आज तक रेकार्ड डेढ़ हजार चोरी की परन्तु बहुतायत नेताओं की तरह आज तक कभी पकड़ा नहीं गया! यहाँ तक कि उसने कई बार पुलिस को चैलेन्ज करके चोरी की और पुलिस बेचारी टापती ही रह गई! अद्भुत चोर है वह! उसने अपनी कला को देश के महान नेताओं के प्रतिष्ठित चौर्यकला के स्तर तक पहुंचाया! शहर और शहर के बाहर बड़े-बड़े व्यापारी भी उससे डरते हैं और सलाम ठोकते हैं ताकि पालू की कृपा-दृष्टि उनके घर पर न पड़े! किंवदंती है कि उसकी कला के जादू से पुलिसिया डिपार्टमेंट भी नहीं छूटा! पालू के बारे में बहुत प्रसिद्ध है कि वह बेहद बातूनी है! एक दिन उससे मेरी मुलाकात हुई! उसकी प्रसिद्धि से मैं भयभीत था तो उसे देखते ही अनायास मेरे दोनों हाथ अभिवादन में स्वस्फूर्त जुड़ गए मन में यही भाव था कि हे करुणावतार पालू देव, अपनी कृपा से मेरे घर को बचाए रखना ! वह मुस्कुराया उसके चेहरे पर थोड़ा संकोच का भाव था उसने कहा–सर जी मुझे हाथ जोड़कर क्यों शर्मिंदा करते हैं....? आप पत्रकार हैं,विद्वान हैं! कहाँ आप,कहाँ मैं! मैं उसकी विनम्रता से थोड़ा सहज हुआ और मुस्कुराते हुए बोला–पालू भाई, मुझे आपका इंटरव्यू चाहिए.. वह हंसते हुए बोला-बड़े-बड़े नेता,अफसर कलाकार, साहित्यकार को छोड़कर मेरा इंटरव्यू...? क्यों मजाक करते हैं सर जी...? मैंने कहा–नहीं पालू भाई मैं मजाक नहीं कर रहा,मुझे आपका ही इन्टरव्यू चाहिए...! वहां पड़े एक खाली बेंच की तरफ इशारा करते हुए मैंने कहा–आइये यहाँ बैठकर बात करते हैं... हम इत्मीनान से वहाँ बैठ गये' मैंने कहा-आप बेधड़क अपनी बात कहिये मैं उसमें से अपनी काम की चीज निकाल लूंगा...! वह अपना घुटा हुआ सर खुजलाया और मुस्कुराते हुए बोला–सर जी, मेरे मत से दूसरी कलाओं में कुछ न कुछ अपूर्णता है पर मैं चोरी को एक पूर्ण-कला मानता हूँ...! चौर्य-कला में एक निपुण चोर को एक्टर तो होना ही चाहिए, साथ ही साथ उसका मेकअप -आर्टिस्ट होना बेसिक आवश्यकता है एथलीट का गुण हो तो सोने में सुहागा!

मसंद पद्धति का शुभारंभ करने वाले गुरु रामदास

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

गुरु राम दास जी की जयंती सभी सिखों के लिए महत्वपूर्ण दिनों में से एक है, क्योंकि इस दिन, वो सिख समुदाय में उनके योगदान के लिए उनका सम्मान करते हैं। उनका जन्म 24 सितंबर, 1534 को हुआ था, लेकिन उनके भक्त 9 अक्टूबर को उनकी जयंती मनाते हैं। 24 सितंबर, 1534 को लाहौर की चूना मंडी में सोढ़ी खत्री परिवार में जन्म हुआ। उनके पिता हरि दास और माता दया कौर का देहांत तब हो गया था जब वो केवल 7 वर्ष के थे। उनका पालन-पोषण उनकी दादी ने किया और बारह साल की उम्र में उन्होंने गुरु अमर दास को अपने गुरु के रूप में स्वीकार कर लिया। गुरु राम दास के तीन पुत्र थे, जिनमें से उनके सबसे छोटे पुत्र गुरु अर्जन उनकी मृत्यु के बाद पांचवें गुरु बने। ये सिख समुदाय के चौथे गुरु बनने के बाद, उन्हें गुरु अमर दास के पुत्रों से शत्रुता का सामना करना पड़ा था और इस कारण से वो स्थानांतरित हो गए और दूसरे शहर में अपना आधिकारिक आधार बना लिया। नए शहर को रामदासपुर कहा जाता था, लेकिन बाद में इसका नाम बदलकर अमृतसर कर दिया गया, जो सिख समुदाय का सबसे पवित्र शहर था। अपने जीवनकाल के दौरान, उन्होंने कई महान कार्य किए, जिनमें से धार्मिक और आर्थिक रूप से सिख आंदोलन का समर्थन करने के लिए लिपिक नियुक्तियों और दान संग्रह के लिए मांजी संगठन का विस्तार करना शामिल है। सिख समुदाय में गुरु राम दास के योगदान को याद करने के लिए, उनके भक्त इस साल 9 अक्टूबर को उनकी जयंती मनाएंगे, उनके योगदान को उनके भक्तों द्वारा जाना जाता है और ये उन्हें सिखों के विशेष गुरुओं में से एक बनाता है।

उन्होंने मिशनरी कमांड की स्थापना की और लगभग 688 भजन लिखे। . उनका लेखन समाज के प्रति निष्ठ प्रेम और प्रतिबद्धता के बारे में था। उनके जन्मदिन की तैयारी गुरु राम दास जयंती से ग्यारह दिन पहले शुरू हो जाती है। संगत नाम का एक धार्मिक समूह रेहरा करता है और गुरु राम दास के मंत्रों का जाप करता है, जिन्हें शबद कहा जाता है। इसके अलावा, इस दिन, भक्त गुरुद्वारों में जाते हैं और उनका आशीर्वाद लेते हैं।

नगर निगम ने 3 सम्पत्ति कर डिफाल्टरों की सम्पत्तियां की सील: डा. वैशाली शर्मा

कार्रवाई

- एक ने सीलिंग के बाद भरा टैक्स कुर्की कार्रवाई से पूर्व 3 सम्पत्ति मालिकों ने जमा करवाए 2 लाख

टीम एक्शन इंडिया
राजकुमार प्रिंस

करनाल। सम्पत्ति कर डिफाल्टरों के विरूद्ध नगर निगम करनाल ने एक और बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। गुरूवार को शहर की 8 वाणिज्यिक सम्पत्तियों पर कार्रवाई के लिए प्रवर्तन दल पहुंचा। इन सम्पत्तियों पर करीब 27 लाख 72 हजार रुपये का सम्पत्ति कर लंबे समय से बकाया चला आ रहा था, जिस कारण यह डिफाल्टर की श्रेणी में थे। यह जानकारी नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने दी।

कार्रवाई की जानकारी देते उन्होंने बताया कि गुरूवार को 11 सम्पत्तियों को अटैच करने की कार्रवाई की जानी थी। इनमें से 3 सम्पत्तियों को सील कर अटैच कर लिया गया। इनमें एक सम्पत्ति दयानंद कॉलोनी तथा 2 सेक्टर-3 एच.एस.आई.आई.डी.सी. की हैं। कार्रवाई आगे बढ़ी तो 3 ने मौके पर ही करीब 4 लाख 69 हजार रुपये सम्पत्ति कर भर दिया। इसके अतिरिक्त 2 सम्पत्ति मालिकों द्वारा अंडरटेंकिंग देकर सम्पत्ति कर जमा करवाने के लिए 2 से 7 दिनों की मोहलत मांगी गई। अगर दिए गए समय में यह टैक्स जमा नहीं करवाएंगे, तो उनकी सम्पत्ति की कुर्की कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि 3 बकायादारों ने कुर्की की कार्रवाई शुरू होने से पूर्व ही 2 लाख 30 हजार रुपये सम्पत्ति कर अदा कर दिया, जिससे वह कार्रवाई से बच गए।

इन सम्पत्तियों को किया कुर्क- कार्रवाई के दौरान 3 डिफाल्टर सम्पत्तियों पर कुर्की की कार्रवाई की गई है। इनमें दयानंद कॉलोनी स्थित एलीगेंट डिजाईन सम्पत्ति कर 1 लाख 31 हजार रुपये, सेक्टर-3 एच.एस.आई.आई.डी.सी. में 254 नम्बर इंडस्ट्री सम्पत्ति कर 1 लाख 77 हजार रुपये तथा यहीं की ही 110 नम्बर इंडस्ट्री सम्पत्ति कर 2 लाख 44 हजार रुपये है, इन तीनों सम्पत्तियों को सील किया गया है। इन सम्पत्तियों को हरियाणा नगर निगम अधिनियम 1994 की धारा 130 के तहत अटैच किया गया है।

इन सम्पत्ति मालिकों ने मौके पर जमा करवाया प्रॉपर्टी टैक्स- अटैचमेंट कार्रवाई के दौरान 3 सम्पत्ति मालिकों ने मौके पर सम्पत्ति कर जमा करवाया है। इनमें अल्फा सिटी स्थित आई.एन.आर. प्रॉपर्टीज सम्पत्ति कर 2 लाख 31 हजार रुपये, सेक्टर-3 एच.एस.आई.आई.डी.सी. स्थित 167 नम्बर पारस फीड इंडस्ट्री ने 1 लाख 4 हजार रुपये तथा न्यू बहादुर चंद कॉलोनी स्थित 788 नम्बर प्रॉपर्टी मालिक ने 1 लाख 34 हजार रुपये मौके पर ही सम्पत्ति कर जमा करवाया है। इस बीच दयानंद कॉलोनी स्थित एलीगेंट डिजाईन के सम्पत्ति मालिक द्वारा सील होने के पश्चात करीब 1 लाख 31 हजार रुपये सम्पत्ति कर जमा करवा दिया गया।

नोटिस के बावजूद भी नहीं किया गौर- उन्होंने बताया कि सम्पत्ति कर एकत्र करने को लेकर उपरोक्त सभी सम्पत्ति मालिकों को 3-3 नोटिस जारी किए गए थे। इसके बाद इन्हें व्यक्तिगत तौर पर जाकर अटैचमेंट का नोटिस भी जारी किया गया था, परंतु सम्पत्ति मालिकों के द्वारा इसे गम्भीरता से नहीं लिया गया, जिसके चलते अटैचमेंट की कार्रवाई गई।

आपदा से ढंग से निपटने के लिए युवाओं को होना चाहिए सजग और प्रशिक्षित

प्रशिक्षण

- विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन का दिया गया प्रशिक्षण, छात्र-छात्राओं ने दिखाया उत्साह

टीम एक्शन इंडिया
सोनीपत, 09 अक्टूबर । पूर्ण मूर्ति कैंपस, कामी रोड में विद्यार्थियों को अग्नि सुरक्षा और आपदा प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने पूरा उत्साह दिखाया । इस अवसर पर विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन, अग्नि सुरक्षा और व्यावहारिक सुरक्षा विषयों पर मॉक ड्रिल के माध्यम से विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। विद्यार्थियों को भवनों में स्थापित अग्नि सुरक्षा उपकरणों की जानकारी देकर उनकी कार्यप्रणाली समझाई गई। पूर्ण मूर्ति कैंपस के चेयरमैन डा. विजयपाल नैन व डायरेक्टर एकेडेमिक्स डा.स्वीटी ने एकदिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया। डा.विजयपाल नैन ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में अग्नि सुरक्षा व आपदा प्रबंधन को लेकर जागरूकता फैलाना है। किसी भी प्राकृतिक या मानव जनित आपदा से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए समाज का हर व्यक्ति सजग और प्रशिक्षित होना चाहिए। इससे आग लगने पर लोगों को निकालने में होने वाली घबराहट और अनिश्चितता को दूर करने में मदद मिलती है।

चेयरमैन डा. विजयपाल नैन ने कहा कि हर घर, स्कूल, कॉलेज व दफ्तर में विशेषकर बिजली मीटर के आसपास एक अग्निशामक यंत्र अवश्य होना चाहिए। यह एक सरल लेकिन प्रभावशाली उपाय है जो किसी भी आकस्मिक आगजनी की स्थिति में जान-माल की सुरक्षा कर सकता है। कई घटनाओं में देखा गया है कि अधिक लोड पड़ने पर बिजली मीटर या वायरिंग में चिंगारी उत्पन्न होती है जो आग का रूप ले सकती है। यह स्थिति तब और भी गंभीर हो जाती है जब वायरिंग घटिया क्वालिटी की होती है या अनधिकृत ढंग से की गई होती है।

डायरेक्टर एकेडेमिक्स डा.स्वीटी ने बताया कि फायर फाइटिंग सिविल व इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से जुड़ा क्षेत्र है। मसलन आग बुझाने के यंत्रों की तकनीकी जानकारी, स्प्रिंकलर सिस्टम, अलार्म, पानी की बौछार का सबसे सटीक इस्तेमाल, कम से कम समय और कम से कम संसाधनों में ज्यादा से ज्यादा जान और काम की रक्षा करना उसका उद्देश्य होता है।

आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत की नींव है स्वदेशी: प्रवीण लाठर

टीम एक्शन इंडिया
राजकुमार प्रिंस

करनाल। आज भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर की अध्यक्षता में भाजपा जिला कार्यालय कर्ण कमल में मोदी जी के ड्रीम प्रोजेक्ट मन की बात कार्यक्रम एवं आत्मनिर्भर भारत अभियान कार्यक्रम को लेकर एक बैठक हुई जिसमें भाजपा के जिला के सभी मंडल अध्यक्ष एवं ग्रीवेंस कमेटी के सदस्य मौजूद रहे।

जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों को मन की बात कार्यक्रम एवं आत्मनिर्भर भारत अभियान में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी को लेकर विचार विमर्श करते हुए इन कार्यक्रमों के सफल आयोजन हेतु दिशा-निर्देश दिए।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि यह हमारी जिम्मेदारी है कि जिला करनाल देश भर व हरियाणा में मन की बात कार्यक्रम में पहले की तरह नंबर एक पर आए। उन्होंने कहा कि इसके लिए हमें और कुछ नहीं, सिर्फ बूथों पर फोकस करना है और हर बूथ पर अधिक से अधिक लोगों को जोड? का काम करना है।

उन्होंने आत्मनिर्भर भारत अभियान के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि स्वदेशी केवल एक नारा नहींए बल्कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत की नींव है। यह प्राचीन काल से सनातन संस्कृति की हमारी जीवन पद्धति है। उन्होंने सभी को आह्वान किया कि इस त्योहारी सीजन में स्वदेशी को प्राथमिकता देने का संकल्प लें। सभी लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मेक इन इंडिया, मेक फार द वर्ल्ड के मूलमंत्र को अपनाएं और इसे आत्मसात करें और स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए खूब प्रचार प्रसार करें।

शुद्धि का प्रतीक बना लोटा नमक : डा. अशोक वर्मा

टीम एक्शन इंडिया
राजकुमार प्रिंस

करनाल। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह के दिशानिर्देशों एवं मार्गदर्शन में हरियाणाभर में नशे के विरुद्ध एक आंदोलन चलाया गया है। अपराधियों की धरपकड़ के साथ साथ नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम विशेष रूप से शुद्धि का प्रतीक-लोटा नमक अभियान लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया और पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा के नेतृत्व में नशे के विरुद्ध प्रतिदिन कठोरता से कार्रवाई की जा रही है। पुलिस उपाधीक्षक गजेंद्र सिंह नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान के पर्यवेक्षक हैं।

ब्यूरो द्वारा जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी के रूप में नियुक्त पुलिस उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा साइकिल यात्रा के साथ लोटा नमक लेकर गांव-गांव में लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करते हैं।

हकेंवि करेगा महेंद्रगढ़ जिले में आयोजित होने वाली विकसित भारत युवा संसद की मेजबानी

टीम एक्शन इंडिया
दिनेश नौताना

महेंद्रगढ़। भारत सरकार के युवा मामले व खेल मंत्रालय ने जिला महेंद्रगढ़ में आयोजित होने वाली विकसित भारत युवा संसद की जिम्मेदारी हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को सौंपी है। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस इकाई इस प्रतियोगिता का संयोजन करेगी। इस प्रतियोगिता में महेंद्रगढ़ जिले के 18 से 25 वर्ष आयु के युवा प्रतिभागिता कर सकेंगे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने अपने संदेश में विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भागीदारी महत्त्वपूर्ण बताया। विश्वविद्यालय में एनएसएस इकाई संयोजक डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि यह प्रतियोगिता आपातकाल के 50 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए सीख विषय पर आयोजित की जाएगी। प्रत्येक प्रतिभागी को विषय पर भाषण के लिए तीन मिनट का समय दिया जाएगा। निर्णायक मंडल के चार सदस्यों द्वारा इसका मूल्यांकन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के पहले चरण में महेंद्रगढ़ जिले से कुल 10 प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा। दूसरे चरण में जिला स्तरीय राउंड से चयनित युवा राज्य स्तरीय राउंड में हिस्सा लेंगे। तीसरे चरण व अंतिम चरण में राज्य स्तर के शीर्ष फाइनलिस्टों को विकसित भारत युवा संसद के समापन में प्रतिभागिता का अवसर मिलेगा।

न्यूज फ्लैश

कृषि के परिवेश को संगठित करने के लिए राष्ट्रीय फोरम एग्रीकॉन शुरू हुआ

नई दिल्ली। कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की नींव है। लेकिन फिर भी कृषि क्षेत्र के बारे में होने वाली बातचीत काफी बिखरी हुई है। एक जगह कृषि में टेक्नोलॉजी के बारे में बात होती है, तो किसी दूसरी जगह फाईनेंस, वहीं नीतियों की चर्चा कहीं और होती है। इन सभी वाताओं को संगठित करने के उद्देश्य से मेसे मुंशेन ने सोमवार को एग्रीकॉन इंडिया का लॉन्च किया। यह 16 दिसंबर से 18 दिसंबर 2026 के बीच आयोजित होने वाला एक राष्ट्रीय ट्रेड फेयर है। इसका आयोजन ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में होगा। एग्रीकॉन इंडिया एक राष्ट्रीय संगोष्ठी केंद्र के रूप में काम करेगा, जहाँ संपूर्ण कृषि क्षेत्र के हितधारक एक जगह एकत्रित होंगे। इनमें नीतिनिमार्ताओं से लेकर शोधकर्ता, किसान और इनोवेटर्स शामिल होंगे। एग्रीकॉन इंडिया का उद्देश्य है, भारत में कृषि क्षेत्र में संपर्क में परिवर्तन लाना, सहयोग करना और व्यापक रूप से विस्तार संभव बनाना। एग्रीकॉन इंडिया का लक्ष्य एक इंटीग्रेटेड परिवेश का निर्माण करना है, जहाँ वाताओं को ठोस रूप देते हुए कार्ययोग्य साझेदारियाँ की जा सकें।

बातचीत की संचालन डॉ. तरुण श्रीधर, डायरेक्टर जनरल, इंडियन चैंबर ऑफ फूड एंड एग्रीकल्चर (आईसीएफए), पूर्व सचिव, फिशरीज, एनिमाल हस्बैंड्री और डेयरी मंत्रालय ने कहा, हमारे लाखों किसानों की कड़ी मेहनत, प्रतिबद्धता और समर्पण के चलते हम दुनिया के सामने कृषि और फूड के क्षेत्र में सुपरपॉवर बनकर उभर रहे हैं। हमारे यहाँ कई किसान छोटे और सीमांत किसान हैं, जिनकी उत्पादकता बहुत कम है, इसलिए उन्हें उत्पाद का पर्याप्त रिटर्न नहीं मिल पाता है। अब हमारा सफर खाद्य सुरक्षा से पोषण सुरक्षा की ओर, उत्पादन से उत्पादकता की ओर तथा मात्रा से मूल्य की ओर होना चाहिए, ताकि कृषि सभी के लिए आशा और पसंद का व्यवसाय बन सके। एग्रीकॉन इंडिया 2026 का उद्देश्य एक ऐसे मंच का निर्माण करना होना चाहिए, जो कृषि समुदाय और कृषि वैज्ञानिकों को साथ लेकर आए ताकि इस क्षेत्र में हो रही क्रांति आगे बढ़ सके।

एग्रीकॉन इंडिया के उद्देश्यों में शामिल हैं:

टेक्नोलॉजी, नीति, फाईनेंस और जमीनी स्तर पर खेती की जरूरतों के बीच अंतर को दूर करना।

खेती की उत्पादकता और मजबूती बढ़ाने के लिए इनोवेशन अपनाने में तेजी लाना।

कृषि उत्पादकों और उद्यमों के लिए घरेलू और विदेशी बाजार खोलना।

संस्थानों, शिक्षा जगत और किसान नेटवर्क के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान संभव बनाना।

जिला में पटाखों की बिक्री, भंडारण व प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध

टीम एक्शन इंडिया
राजकुमार प्रिंस

करनाल। जिलाधीश उत्तम सिंह ने जिला में बढ़ते वायु प्रदूषण के गंभीर खतरे को देखते हुए सभी प्रकार के पटाखों के निर्माण, भंडारण, बिक्री (ऑनलाइन मार्केटिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से वितरण सहित), फोड? और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं।

यह आदेश वायु गुणवत्ता के खराब होने और स्वास्थ्य पर पड? वाले प्रतिकूल प्रभावों को ध्यान में रखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163, विस्फोटक अधिनियम, 1884 और अन्य सक्षम शक्तियों के तहत जारी किए गए हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।

उन्होंने बताया कि सर्दियों के दौरान पार्टिकुलेट मैटर्स (पीएम 2.5 और पीएम 10) का स्तर राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों (एनएएक्यूएस) 2009 से काफी अधिक हो जाता है, जो बच्चों, बुजुर्गों और श्वसन-हृदय रोग से ग्रस्त लोगों जैसे कमजोर वर्गों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है।जारी आदेशों के अनुसार पुलिस अधीक्षक, नगर निगम, सभी एसडीएम, तहसीलदार, बीडीओ और अन्य संबंधित अधिकारी जिला में इन आदेशों की अनुपालना सुनिश्चित करेंगे।

समाधान शिविर में एसडीएम राजेश खोथ ने सुनी जन समस्याएं

हांसी(दिनकर गावड़ी):झ वीरवार को स्थानीय संयुक्त कार्यालय परिसर में आयोजित समाधान शिविर में एसडीएम राजेश खोथ ने जन समस्याएं सुनी और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए।

समाधान शिविर में डाटा गांव के नागरिकों ने गली के बीच लगे ट्रांसफार्मर को शिफ्ट करवाने तथा लाइनमैन की ड्यूटी लगवाने को लेकर आवेदन प्रस्तुत किया। एसडीएम राजेश खोथ ने दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह यह दोनों काम शीघ्र पूर्ण कर रिपोर्ट भिजवाना सुनिश्चित करें।

समाधान शिविर में परिवार पहचान पत्र में आय कम करवाने, राशन कार्ड बनवाने, बुढ़ापा पेंशन बनवाने, आधार कार्ड में त्रुटि ठीक करवाने इत्यादि को लेकर प्रस्तुत शिकायतों के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन सभी शिकायतों का निवारण त्वरित आधार पर करें। कई शिकायतों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया। समाधान शिविर में तहसीलदार अनिल कुमार बिढान भी मौजूद रहे।

आईएमए प्रेसिडेंट डॉ. दीपक ने 40 टीबी मरीजों को लिया गोद

संक्रामक रोग

- वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ.नीरू ने बताया कि टी.बी. एक संक्रामक रोग है

टीम एक्शन इंडिया
राजकुमार प्रिंस

करनाल। उप-सिविल सर्जन (टीबी) डॉ.सिम्मी कपूर ने बताया कि सिविल सर्जन डॉ. पूनम चौधरी के मार्गदर्शन में आईएमए प्रेसिडेंट डॉ.दीपक प्रकाश ने वीरवार को सेक्टर-13 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के 40 टीबी के मरीजों को गोद लिया तथा उन्हें पोषण सामग्री वितरित की।

उन्होंने बताया कि इस समय जिला में टीबी के 2700 मरीजों का इलाज चल रहा है जिनको गोद लेकर प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ वितरित किये जाने हैं, जिसके लिए समाजसेवी संस्थाओं से अपील है कि वह इस मुहीम में अपना योगदान दें, ताकि टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को पूरा किया जा सके।

उप-सिविल सर्जन (टीबी) ने अपील की कि यदि किसी व्यक्ति में टीबी के लक्षण पाए जाते हैं तो वह नजदीक स्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर जांच व इलाज करवाएं। सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर टीबी से संबंधित जांच व इलाज मुफ्त में किया जाता है। इसके लिए मरीजों को जागरूक करना बहुत आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा टीबी को नोटि फाइबल डिजीज घोषित किया गया हैए जिसके अंतर्गत सभी प्राइवेट अस्पतालोंध्क्लीनिक एवं लैब को टीबी के केसिज को रिपोर्ट करना आवश्यक है।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग करनाल से डॉ. नीरू वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, डॉ क्रांति चिकित्सा अधिकारी, डा. पुनीत डैन्टल सर्जन व अन्य स्टाफ मौजूद थे।

वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ.नीरू ने बताया कि टीण्बीण एक संक्रामक रोग है, जो शरीर के किसी भी अंग में हो सकती है। मगर मुख्यतः यह फेफड़ों को प्रभावित करती है। यह संक्रमित व्यक्ति के खांसने-छींकने एवं थूकने से फैलती है। यदि समय पर जांच एवं ईलाज शुरू न किया जाये तो एक टीबी का मरीज 10-15 व्यक्तियों को टीबी की बीमारी दे सकता है। भारत सरकार द्वारा टीबी उन्मूलन के लिए वर्ष 2025 का लक्ष्य निर्धारित किया गया है व उनके द्वारा टीबी मरीजों के लिए प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ की महत्ता को भी बताया गया।

उन्होंने बताया कि जिला में नौ क्षय रोग केन्द्र हैं तथा 23 जगह बलगम के जांच केन्द्र हैं, जहां पर मरीजों के बलगम की निशुल्क जांच की जाती है। भारत सरकार द्वारा निक्षय पोषण योजना के अन्तर्गत टीबी मरीजों को पोषण हेतु एक हजार रुपये प्रति माह देने का प्रावधान किया गया है। एनटीईपी के अन्तर्गत नये टीबी मरीजों की सूचना देने तथा उनकी बलगम की जांच करवाने उपरान्त टीबी पाये जाने पर सूचना देने वाले को पांच सौ रुपये प्रति मरीज देने का प्रावधान है ।

रेडक्रॉस ने प्रभावित जिलों में राहत सामग्री भेजकर तैयारी का प्रदर्शन किया : घोष

टीम एक्शन इंडिया
राजकुमार प्रिंस

करनाल। हरियाणा के राज्यपाल एवं भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी राज्य शाखा के अध्यक्ष प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने हाल ही में आई बाढ़ और बारिश की आपात स्थितियों के दौरान राज्य शाखा द्वारा त्वरित और समनिवत गति से आपदा प्रतिक्रिया और राहत प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने राजभवन में एक समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य रेडक्रॉस ने प्रभावित जिलों में राहत सामग्री शीघ्रता से भेजकर अनुकरणीय तैयारी का प्रदर्शन किया है।

उन्होंने बताया कि आईएएस डीके बेहरा ने बैठक की कार्यवाही का संचालन किया और भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी हरियाणा राज्य शाखा को बेहतर संचालन के लिए सुझाव साझा किए। उन्होंने सभी जिला सचिवों को कहा कि अपने-अपने उपायुक्तों से संपर्क कर पंचायत फंड और अन्य इनकम सोर्सेस बढ़ाने की कोशिश करें, ताकि मानव कल्याण के लिए चलाई जा रही गतिविधियों को और बढ़ा सके।

राज्यपाल ने समिति के तत्कालिक फोकस के लिए व्यावहारिक रूपरेखा प्रस्तुत की जैसे कि स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण बढ़ाने के लिए एक अल्पकालिक योजना तैयार करना। प्रोफेसर घोष ने रेड क्रॉस द्वारा स्थानीय तत्परता और राष्ट्रीय स्तर की भावनाओं को मूर्त रूप देने पर जोर देते हुए कहा कि इसकी मुख्य सेवाएं रक्त सेवाएं, प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण, सामुदायिक उपचार प्रशिक्षण और कमजोर लोगों की देखभाल आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, जितनी पहले थी।

उन्होंने कहा कि सिर्फ प्रासंगिकता ही काफी नहीं है, हमें अपने तरीकों का निरंतर आधुनिकरण करना होगा।

उन्होंने जिला से आए सभी सचिवों को आश्वासन दिया कि राजभवन ऐसे मानव कल्याण के कार्यों को भावना और सक्रिय सहयोग के माध्यम से समर्थन देना जारी रखेगा।

रेड क्रॉस सोसाइटी राज्य शाखा के उपाध्यक्ष अंकुश मिगलानी ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और उन्होंने अधिक आजीवन सदस्यों को नामांकित करने और रेडक्रॉस गतिविधियों के प्रचार-प्रसार को बढ़ाने पर बल दिया।महासचिव महेश जोशी ने समीक्षा बैठक में आए सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और जिला सचिवों से आग्रह किया कि रेडक्रॉस की गतिविधियों को निर्धारित नियमों और प्रतिक्रियाओं के अनुसार शक्ति से संचालित करें। इस अवसर पर राज्य मुख्यालय के अधिकारी सभी जिला सचिव और हरियाणा राज भवन के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश सरकार चहुंमुखी विकास के पथ पर अग्रसर : जगमोहन आनंद

टीम एक्शन इंडिया
राजकुमार प्रिंस

करनाल। विधायक जगमोहन आनंद के विधायक बनने व सरकार के एक वर्ष सफलतापूर्वक पूरा होने के अवसर पर वीरवार को उनके सेक्टर-13 कैंप कार्यालय में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और कार्यकताओं ने बड़ी संख्या में पहुंचकर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं।

विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में चहुंमुखी विकास कर रही है। प्रदेश में विकास के मामले में किसी भी क्षेत्र में कोई कमी नहीं छोड़ी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है कि विकास का लाभ पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के सहयोग से प्रदेश में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की गई हैं

जिनका सीधा लाभ आमजन तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि यदि करनाल विधानसभा क्षेत्र में किसी व्यक्ति को कोई समस्या अथवा शिकायत हो तो उनके कैंप कार्यालय सेक्टर-13 में स्वयं आकर उनसे मिल सकता है। समस्या अथवा शिकायत का समाधान किया जाएगा।

जन कल्याणकारी योजनाओं से आमजन को लाभ

विधायक जगमोहन आनंद ने बताया कि सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि और बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने आमजन से अपील की कि सरकार द्वारा चलाई जा रही इन योजनाओं अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में प्रदेश विकास और प्रगति के नए आयाम स्थापित करेगा।

चर्बी घटाने के लिये रोजाना पीयें तीन प्याला हरी चाय

निस्संदेह कसरत करना चर्बी घटाने का बेहतर तरीका है लेकिन एक नया शोध कहता है कि वजन कम करने में रोजाना तीन प्याला हरी चाय भी मददगार हो सकती है।

डेली मेल के अनुसार एक अंतरराष्ट्रीय समूह ने यह शोध किया और पाया कि रोजाना तीन प्याला हरी चाय पीने से जंक फूड लेने के बावजूद अतिरिक्त चर्बी घटाने में मदद मिल सकती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक हरी चाय ज्वलनशील रसायन उत्पन्न करती है जो चर्बीयुक्त कोशिकाएं बनने से रोकते हैं। ये रसायन उच्च रक्त चाप को भी नियंत्रित करते हैं।

क्विंसलैंड यूनिवर्सिटी के प्रमुख शोधकर्ता डा. लिंडसे ब्राउन और उनके साथी हरी चाय, स्पीयरमिंट, अंगूर की जड़ों और जैतून की पत्तियों के मिश्रण से बनी चाय स्पीरोल टी के प्रभाव का अध्ययन करने के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचे।

चूहों के एक समूह को चीनी युक्त आहार दिया गया। इससे उनके पेट के आसपास की चर्बी आठ सप्ताह में बढ़कर दोगुनी हो गयी। उनका रक्तचाप भी बढ़ गया। जब से उन्हें स्पीरोल टी देना शुरू की गयी, उनके पेट का आकार और रक्तचाप सामान्य हो गया।

उबासी में हैं बड़े गुण

उबासी पर आए नए शोध न केवल मानव शरीर के आंतरिक क्रियाओं के रहस्यों को जानने में मददगार साबित हो रहे हैं, बल्कि कुछ और रहस्यों से पर्दा भी उठा रहे हैं।

मानव और उसके सच्चे साथी कहे जाने वाले कुत्ते के बीच संबंधों का तानाबाना तलाशते-तलाशते बात उबासी तक पहुंच गई है। लंदन के वर्कबैक कॉलेज द्वारा कराए गए हालिया शोध में कुछ ऐसा ही दावा किया गया है। उबासी पर प्रयोगों में साबित हुआ है कि मानव शरीर की तमाम क्रियाओं के प्रति कुत्ते की संवेदनशीलता का नजदीकी संबंध है।

शोध में 29 कुत्तों को लिया गया और पाया गया कि उसके नजदीक मनुष्य को यदि उबासी आती है तो 72 प्रतिशत मामलों में उसके नजदीक बैठे कुत्तों को भी उबासी आती है। इसको इस तरह से भी देखा जा रहा है कि मनुष्य की आंतरिक क्रियाओं के के प्रति कुत्तों की संवेदनशीलता के तार उससे भी ज्यादा जुड़े हो सकते हैं जहां तक मनुष्य ने समझा है।

उबासियों को मानव शरीर की क्रियाओं की शुरूआत के तौर पर भी देखा जाता है, मसलन उबासी के बाद ही यूस्टेचियन ट्यूब खुलती है, फेफड़े फूलते हैं और एक झटके से मनुष्य की सुस्ती दूर हो जाती है। उबासियों का मनुष्य की तंत्रिका तंत्र से कितना गहरा लगाव है इसको इस तरह से भी समझा जा सकता है कि स्ट्रोक के शिकार व्यक्ति को भी उबासी के दौरान उसके लकवाग्रस्त अंगों में हरकत आ जाती है। स्ट्रोक से प्रभावित व्यक्ति पर यह प्रयोग ब्रिटेन की एक प्रयोगशाला में सर फ्रांसिस वाल्श के नेतृत्व में हो रहे हैं। इन्हीं प्रयोगों के रहस्यों से पर्दा उठाकर वैज्ञानिक लकवाग्रस्त अंगों को फिर से ठीक करने की जुगत लगा रहे हैं।

अब तक के शोध के कुछ बिंदु

अमूमन एक उबासी का चक्र 6 सेकेंड में पूरा हो जाता है। यह कभी आधी-अधूरी नहीं होती।

उबासी रीढ़धारी जीवों में आदि काल से मानी जाती है। वैज्ञानिक मानते हैं कि एक-दूसरे की देखादेखी उबासी लेने की प्रक्रिया बाद में शुरू हुई होगी।

मनुष्य की एक प्रक्रिया से दूसरे में जाते समय भी उबासी के लक्षण तंत्रिका तंत्र की खास प्रक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है। मसलन नींद से जागने, जागने से सोते जाते समय या फिर ऐसी ही क्रियाओं के समय भी उबासी के लक्षण इस बात का प्रमाण हैं।

त्रिविमीय स्केनरों के आने के बाद यह सिद्ध हो गया है कि गर्भ में दो महीने का बच्चा भी उबासियां लेने लगता है।

हेल्थ प्लस

बढ़ते बच्चों की फिटनेस

फिट रहने की चाह आजकल सब में बढ़ती जा रही है। इस मॉडर्न दौर में लोग अपने आप को फिट रखने के लिए अधिक से अधिक प्रयास कर रहे हैं और जो होना भी चाहिए।

अगर पैरेन्ट्स यह आदत बच्चों में शुरू से ही डाल दें कि शरीर को फिट रखना अच्छी सेहत के लिए कितना जरूरी है तो वे शुरू से ही फिट रहेंगे।

बच्चों की फिटनेस के लिए कुछ खास बातों पर ध्यान दें-

बच्चों को डेली रूटीन में एक्सरसाइज करनी चाहिए, जो सुबह या शाम के समय में कर सकते हैं। जो बच्चे जिम में जाते हैं वे इस बात का ध्यान रखें कि हैवी वेट एक्सरसाइज उन्हें नहीं करनी चाहिए। लाइट वेट एक्सरसाइज, कार्डियो, एरोबिक्स, स्ट्रैचिंग और योगा ही करनी चाहिए और इसके अलावा पार्क में फुटबाल, वॉलीवाल और जोगिंग भी कर सकते हैं। गर्मियों में स्वीमिंग करना भी अच्छी एक्सरसाइज है।

बच्चों की अच्छी डाइट भी फिटनेस के लिए बहुत जरूरी है। बच्चों को प्रोटीन, विटामिन्स, कार्बोहाइड्रेट्स सही मात्रा में मिलना चाहिए क्योंकि बच्चों के मसल्स डवलप होते समय उनको यह मिलने से उनकी ग्रोथ भी अच्छी होगी। इन सब बातों का ध्यान देने से बच्चे फिट और सही हाइट का लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं।

जल आधारित भोजन से कुछ घटता ही है वजन

पानी जीवन का आधार, बिन पानी सब सून। पहले प्यास बुझाने के लिए पानी पिया जाता था, बाद में शोधों से पता चला कि पानी में ढेरों औषधीय गुण विघमान हैं, चुनांचे ज्यादा पानी पीने की सलाह दी जाने लगी। अब विज्ञानी नई खबर लेकर आए हैं और वह यह कि अगर स्लिम-ट्रिम होने के लिए आप गिलास पर गिलास पानी पेट में उतार रहे हैं तो समझ लें समय बरबाद कर रहे हैं। यानी ज्यादा पानी पीने से किसी भी सूरत में वजन कम नहीं होता है।

डायटीशियन लोगों को रोजाना कम से कम आठ गिलास पानी पीने की सलाह देते हैं। पानी का वजन पर पड़ने वाले प्रभाव के आकलन के लिए वैज्ञानिकों ने हाल में कई शोध किए। इनमें से एक रिसर्च में उन्होंने 1000 महिलाओं के वेट और वेस्ट यानी वजन और कमर के आकार का अध्ययन इस आधार पर किया कि वे प्रतिदिन कितना पानी पी रही हैं और उसे किस रूप में ले रही हैं। शोधकर्ता यह जानकर हैरान रह गए कि वजन कम करने के लिए ये महिलाएं ज्यादा पानी पी रही थीं, लेकिन अधिक पानी तथा वेट लूज में किसी तरह का कोई संबंध नही बन पा रहा था। अलबत्ता एक अच्छी सूचना यह हाथ लगी कि इन 1000 महिलाओं में से जो जल आधारित भोजन ले रही थीं, उनके वेस्ट के आकार में मामली-सा बदलाव आया था। विज्ञानियों का कहना है कि इस फाइंडिंग के बाद सही तो यह होगा कि वे सभी लोग जो वजन कम करने के अभियान से जुटे हैं, ज्यादा पानी के बजाए फल, सब्जियां, जूस तथा सूप आदि लें। इससे शरीर को आवश्यक पोषक तत्व मिलेंगे और फाइबर अतिरिक्त चर्बी घटाने में मदद करेगा। इसके अलावा चाय, कॉफी और सॉफ्ट ड्रिंक्स तो हैं ही। पानी को वेट लूजर के रूप में इस्तेमाल करने के बारे में वैज्ञानिकों ने चेताया है कि ज्यादा पानी पी लेने से भूख कम लगती है। इसका सीधा असर स्वास्थ्य पर पड़ता है और व्यक्ति लो ब्लडप्रेशर का शिकार हो जाता है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि इसका कतई यह मतलब नहीं है कि कम पानी पिया जाए। स्थान विशेष की जलवायु के हिसाब से शरीर खुद पानी की मांग करता है और उस मांग की आपूर्ति बेहद जरूरी है। पानी के बहाने शोधकर्ताओं ने एक अहम चेतावनी भी दी है। उनका कहना है कि पॉली या प्लाटिस्क की बोतलों में पैक पानी सेहत के लिए हानिकारक होता है। पानी को बॉटल में प्रोसेस करते समय कुछ कैमिकल्स का इस्तेमाल किया जाता है, जो दिल के दौरों के खतरे को दोगुना कर देते हैं।

आयु बढ़ाता है विटामिन 'डी'

लंबी आयु चाहते हैं तो नियमित तौर पर कुछ समय सूर्य के प्रकाश में गुजारा करें। एक नए अध्ययन के अनुसार सूर्य के प्रकाश से शरीर में विकसित होने वाला विटामिन डी मृत्यु दर को कम करता है। पहले हुए अध्ययनों ने भी इस आर संकेत दिया था कि सूर्य के प्रकाश से संभवत: कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ होते हैं जिनमें कैंसर, धमनियों की बीमारी और दमे से बचाव शामिल हैं। आस्ट्रिया के ग्राज विश्वविघालय ने पाया है कि सूर्य के प्रकाश से प्राप्त होने वाला विटामिन डी मृत्यु दर में कमी लाता है। यही विटामिन कैल्शियम के अवशोषण में शरीर को मदद करता है। 'दी डेली टेलीग्राफ' के अनुसार मुख्य अनुसंधानकर्ता हेराल्ड डोबनिग का कहना है कि यह पहला संयुक्त अध्ययन है जिसमें यह पता चला है कि विटामिन डी मृत्यु दर को प्रभावित करता है और इसका मृत्यु के प्राथमिक कारण से कोई लेना देना नहीं है। दूध और सालमोन मछली में विटामिन डी पाया जाता है। इसकी कमी से बच्चों को रिकेट्स बीमारी और बड़ों को गठिया हो सकता है। अध्ययन में औसतन 62 वर्ष आयुवर्ग के 3200 से अधिक लोगों का अनुसंधानकर्ताओं ने परीक्षण किया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-3-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-6-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनै:-शनै: बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। दान-पुण्य का कार्य करें। यात्रा शुभ रहेगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-1-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-6-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति होगी। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2612

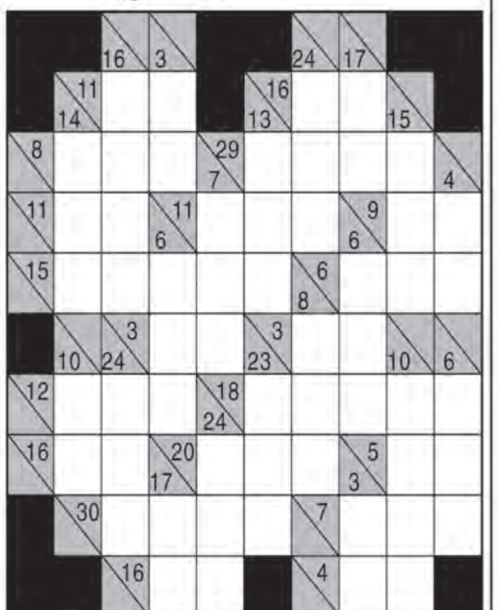

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

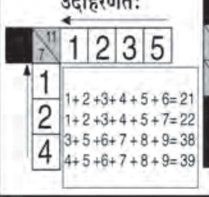

काकुरो - 2611 का हल

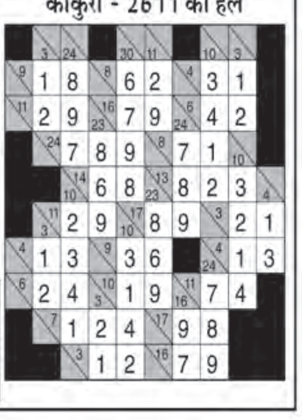

लॉफिंग जौन

गीता (अपने प्रेमी से)- रमन देखो! सामने खिड़की में जो तोता-मैना बैठे हैं, दोनों रोजाना यहाँ आते हैं। साथ-साथ बैठते हैं, प्यार भरी मीठी-मीठी बाते? करते हैं और चहचहाते रहते हैं और एक हम हैं कि हमेशा लड़ाई-झगड़ा करते ही रहते हैं।

प्रेमी (प्रेमिका से)- हाँ सही है! लेकिन तुमने उनकी एक खास बात पर ध्यान नहीं दिया, देखो यहाँ बैठने वाले जोड़े में से रोजाना तोता तो वही होता है, पर मैना रोज नई-नई होती है।

□ □ □

एक बार एक कार्यस्थल पर तीन छोटे-छोटे बंदर उधम मचाते हुए अंदर घुस गए। उनके गले में तीन तख्तियाँ टंगी हुई थी, जिनमें लिखा हुआ था, बुरा देखो, बुरा सुनो और बुरा बोलो। वहाँ बैठे एडिटर साहब गाँधीजी के तीन वाक्यों का अनादर होते देख उबल पड़े और बोले- ये वाक्य उल्टे कैसे हो गए?

तभी एक शरारती बंदर बोला- आप जानते नहीं अब हम भी एडिटर हो गए है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2612

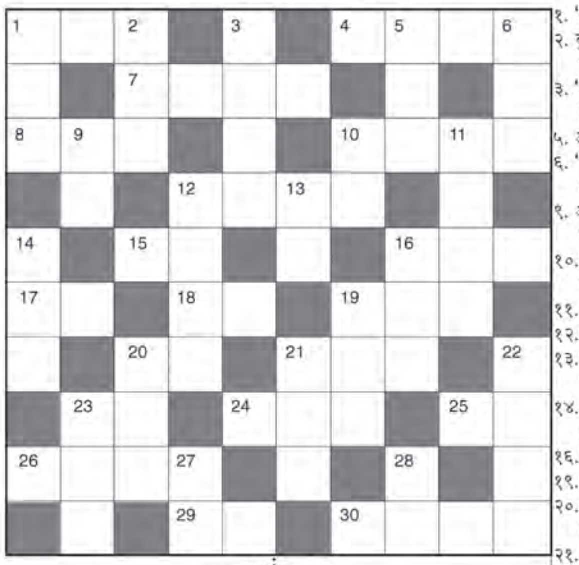

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'ऑखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2611

सूडोकु -2612

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2611 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

शब्द पहेली - 2612

बाएँ से दाएँ

1.सफल,उत्तीर्ण-4
5.ओस,रजनीजल-4
7.फरार होना,चंपत होना, पलायन करना-5
9.महीना,मास-2
10.साल का बारहवां भाग-2
13.पुचकारना-4
15.विष्णु,चक्रधारी-4
17.निरुत्तर होना-5
18.अपनत्व-5
20.असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23.निकृष्ट,अल्पतर-4
26.अंधकार-2
27.बुरा आदत-2
29.रसायन संबंधी-5
31.ब्राम्हण,सम्राट-4
32.गजानन,गणपति-4

ऊपर से नीचे

2.मां,आई,मदर-2
3.बारिश का गिरना-4
4.निर्माता,रचयिता-5
5.लज्जाना -4
6.मुलायम-2
8.उम्मीद-2
9.हार,जयमाल-2
11.हरे रंग का-2
12.वचन,प्रतिज्ञा-2
14.हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16.जनेऊ,उपनयन संस्कार-5
19.विलेन,नायक का विलोम-5
20.बादल-2
21.बुरी आदत-2
22.यम,मृत्यु का देवता-4
23.पानी के बहने की आवाज-2,2
24.वोट,अभिमत-2
28.इस जगह-2
30.कारावास,बंधन-2

शब्द पहेली - 2611 का हल

झांसी के सौरभ आनंद मलेशिया में जोहोर कप में दिखाएंगे अपनी हॉकी का जौहर

एजेंसी

झांसी। मलेशिया में 11 से 18 अक्टूबर तक आयोजित हो रहे सुल्तान ऑफ जोहोर कप में झांसी शहर के युवा हॉकी खिलाड़ी सौरभ आनंद कुशवाहा अपनी हॉकी का दम दिखाएंगे। उनके पिता भजन गायक हैं। वह इसे ईश्वर की कृपा बताते हैं। उन्होंने बताया कि उनके दो बेटे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम में फॉरवर्ड की भूमिका में सौरभ खेलते हुए दिखेंगे। सौरभ इससे पहले जूनियर एशिया कप की स्वर्ण पदक जीतने वाली जूनियर भारतीय टीम में रहे हैं। सौरभ ने कुछ दिन पूर्व झांसी प्रवास के दौरान खेल विश्लेषक बृजेंद्र यादव से बात करते हुए बताया था कि टीम की तैयारी हमारी टीम के कोच हॉकी लीजेंड श्रीजेश के मार्गदर्शन में बेहतर रही है और भारत में आयोजित होने वाले जूनियर विश्व कप की तैयारी को लेकर हमारे लिए जोहार कप में मजबूत टीमों के खिलाफ प्रदर्शन बेहद अहम रहेगा। कैंप में सभी ने बहुत मेहनत और लगन के साथ प्रैक्टिस की है। सौरभ ने बताया कि टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में हमने कांस्य पदक जीता था और इस साल उस प्रदर्शन को और बेहतर कर पदक का रंग बदलने का प्रयास रहेगा। भारतीय टीम मंगलवार को बेंगलुरु हवाई अड्डे से मलेशिया के लिए रवाना हुई। टीम 11 अक्टूबर को ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की फिर बजी बैंड, ऑस्ट्रेलिया से मिली करारी हार

नई दिल्ली। आईसीसी महिला विश्व कप के 9वें मुकाबले में पाकिस्तान की फिर से बैंड बजती हुई नजर आई। दरअसल, कोलंबो में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पाकिस्तान को इतने रनों करारी हार का सामना करना पड़ा है। ऑस्ट्रेलिया ने 222 रनों का लक्ष्य दिया था, लेकिन जवाब में पाकिस्तान की टीम ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। यह पाकिस्तान की टूर्नामेंट में लगातार तीसरी हार हुई है और वह फाइनल रेस से बाहर होने की कगार पर आ चुकी है। इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई अनुभवी बल्लेबाज बेथ मूनी ने शानदार 109 रन की पारी खेली। बाएं हाथ की स्पिनर नाशरा संधू (37 रन पर तीन विकेट), ऑफ स्पिनर रमीन शमीम (29 रन पर दो विकेट) और तेज गेंदबाज कप्तान फातिमा सना (49 रन पर दो विकेट) ने ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 76 रन पर सात विकेट कर दिया था लेकिन मूनी ने 10वें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरीं एलेना किंग (नाबाद 51) के साथ नौवें विकेट के लिए रिकॉर्ड 106 रन की साझेदारी करके टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया। मूनी ने 114 गेंद की अपनी पारी में 11 चौके मारे जबकि एलेना ने 49 गेंद का सामना करते हुए तीन छक्के और इतने ही चौके जड़े। यह महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में नौवें या उससे निचले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले की सर्वश्रेष्ठ साझेदारी 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नौवें विकेट के लिए ऑस्ट्रेलिया की एशले गार्डनर और किम गार्थ के बीच 76 रन की थी।

वनडे कप्तानी मिलने पर बोले शुभमन गिल, रोहित भाई की तरह शांतचित्त कप्तान बनना चाहता हूं

नई दिल्ली। भारत की वनडे टीम के नए कप्तान शुभमन गिल ने गुरुवार को कहा कि वह अपनी कप्तानी की शुरुआत में पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की तरह ड्रेसिंग रूम में शांत और सकारात्मक माहौल बनाए रखने की कोशिश करेंगे। गिल पहले ही भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी संभाल रहे हैं और अब 19 से 25 अक्टूबर तक ऑस्ट्रेलिया दौरे में तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के साथ इस प्रारूप में अपनी कप्तानी की शुरुआत करेंगे।

गिल की कप्तानी में धैर्य और दोस्ती

गिल ने कहा, रोहित भाई का जो धैर्य और टीम में जो दोस्ती उन्होंने बनाई, मैं उसे अपनाना चाहता हूं। टीम को एक सकारात्मक और सहयोगी माहौल चाहिए। यही मेरी कोशिश होगी।

रोहित-कोहली के भविष्य पर गिल का बयानः शुभमन गिल ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों को भी शांत करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, दोनों खिलाड़ियों ने भारत के लिए कई मैच जीते हैं। उनके पास अनुभव और कौशल की कोई तुलना नहीं। हमें उनकी जरूरत है, भले ही वे अब केवल एकदिवसीय प्रारूप में ही उपलब्ध हों।

वेस्टइंडीज पर एक और बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगा भारत

नई दिल्ली। पहले मैच में आसान जीत से आत्मविश्वास से ओतप्रोत मेजबान भारत शुक्रवार से यहां शुरू हो रहे दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को एक और करारी शिकस्त देने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगा हालांकि इस मैच में उसकी निगाहें साई सुदर्शन के धैर्य और घरेलू परिस्थितियों में नीतीश कुमार रेड्डी की उपयोगिता पर टिकी होंगी। भारत के पास प्रतिभाशाली क्रिकेटरों का शानदार समूह है, जिनमें से प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी भी शीर्ष टीम में जगह बनाने में सक्षम है।

उसका मुकाबला वेस्टइंडीज की उस टीम से होगा जिसका अतीत गौरवशाली रहा है लेकिन जो वर्तमान में टेस्ट क्रिकेट में बने रहने के लिए संघर्ष कर रही है। वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों की विश्व भर में टी20 लीग में खेलने के लिए बड़ी मांग है लेकिन खेल के सबसे लंबे प्रारूप में उसके पास बेहद कमजोर और अनुभवहीन खिलाड़ी हैं। अहमदाबाद में खेले गए पहले टेस्ट मैच में उसकी टीम किसी भी समय भारत के सामने चुनौती पेश नहीं कर सकी। भारत ने यह मैच पारी के अंतर से जीता था जो कैरेबियाई क्रिकेट की वर्तमान स्थिति का प्रमाण है। भारत के लिए एक और प्रभावशाली प्रदर्शन का मतलब सिर्फ श्रृंखला जीतना नहीं है।

सऊदी अरब 2026 फीफा विश्व कप क्वालिफिकेशन से एक कदम दूर, इंडोनेशिया पर दर्ज की रोमांचक जीत

एजेंसी

जेद्दाह। सऊदी अरब ने इंडोनेशिया को 3-2 से हराकर 2026 फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफिकेशन की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ा दिया। अब अगले मंगलवार को इराक के खिलाफ जीत उसे ग्रुप बी में शीर्ष स्थान के साथ सीधे विश्व कप में जगह दिला देगी। यह उसका सातवां विश्व कप होगा। एशियाई क्वालिफाइंग के चौथे दौर में केवल दो समूहों के विजेताओं को स्वचालित रूप से विश्व कप का टिकट मिलेगा, जबकि उपविजेताओं को पांचवें राउंड में खेलना होगा। मैच में इंडोनेशिया ने शानदार शुरुआत की। 11वें मिनट में केविन डिक्स ने पेनल्टी पर गोल दागा। हालांकि, सिर्फ छह मिनट बाद सालेह अबू अल-शमात ने बराबरी का गोल कर दिया। 37वें मिनट में फिरास अल-बुरैकान ने पेनल्टी के जरिए सऊदी अरब को बढ़त दिलाई। दूसरे

हाफ में अल-बुरैकान ने एक और गोल कर टीम की स्थिति मजबूत की। हालांकि, 89वें मिनट में केविन डिक्स ने अपनी दूसरी पेनल्टी पर गोल कर इंडोनेशिया को वापसी की उम्मीद दी। स्टॉपेज टाइम में मोहम्मद कान्नो को रेड कार्ड मिला, लेकिन मेजबान टीम ने बढ़त बरकरार रखी। अगर इंडोनेशिया इराक से हारता है तो उसका 1938 के बाद पहली बार विश्व कप में पहुंचने का सपना टूट जाएगा। इससे पहले ग्रुप ए में कतर और ओमान के बीच मुकाबला 0-0 की बराबरी पर समाप्त हुआ। कतर के कोच जूलन लोपेटेगुई ने कहा, हमने पूरे मैच में अच्छा प्रदर्शन किया। विपक्ष ने डिफेंस में मजबूती दिखाई, लेकिन इसके बावजूद हमने कई मौके बनाए। दुर्भाग्य से उन्हें गोल में तब्दील नहीं कर पाए। वहीं ओमान के कोच कार्लोस क्यूरोज ने कहा, आज का ड्रॉ दोनों टीमों के लिए सबसे अच्छा परिणाम है। हार से हमारे क्वालिफिकेशन की उम्मीदों को झटका लग सकता था। हम अब यूएई के खिलाफ मैच की तैयारी पर ध्यान देंगे। गौरतलब है कि एशिया से कुल 8 टीमों को स्वचालित जगह मिलेगी। जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, ईरान, उज्बेकिस्तान और जॉर्डन पहले ही जून में तीसरे राउंड से क्वालीफाई कर चुके हैं।

दिल्ली टेस्ट में जडेजा और राहुल के पास 4,000 रन पूरे करने का सुनहरा मौका

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट मैच 10 अक्टूबर से दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मुकाबले से पहले टीम इंडिया के दो स्टार बल्लेबाज रवींद्र जडेजा और केएल राहुल टेस्ट क्रिकेट में 4,000 रन पूरे करने के करीब पहुंच चुके हैं। भारत सीरीज़ में पहले ही 1-0 की बढ़त बनाए हुए है। पिछले अहमदाबाद टेस्ट में शानदार 104* रन की नाबाद पारी और चार विकेट लेकर 'प्लेयर ऑफ द मैच' बने रवींद्र जडेजा इस समय अपने करियर के बेहतरीन फॉर्म में हैं। वह अब तक 86 टेस्ट में 3,990 रन बना चुके हैं और इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्हें सिर्फ 10 रन की जरूरत है। उनका औसत 38.73 का है, जिसमें 6 शतक और 27 अर्धशतक शामिल हैं। इस साल जडेजा ने 7 टेस्ट में 659 रन बनाए हैं, औसत 82.37 रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज़ में उन्होंने 516 रन बनाए और कई अहम पारियों से टीम को मज़बूती दी। दूसरी तरफ केएल राहुल ने अहमदाबाद टेस्ट में अपने घरेलू मैदान पर नौ साल बाद शतक लगाया था। वह भी 4,000 रन के आंकड़े से बस 111 रन दूर हैं। राहुल ने अब तक 64 टेस्ट में 3,889 रन बनाए हैं, औसत 36.00 है। उनके नाम 11 शतक और 19 अर्धशतक दर्ज हैं, जबकि उनका सर्वोच्च स्कोर 199 रन है। इस साल राहुल ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 7 मैचों में 649 रन बनाए हैं, औसत करीब 50 का रहा है। इस दौरान उन्होंने तीन शतक और दो अर्धशतक जड़े हैं, जबकि उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 137 रहा।

रैली डू मोरोक में उतरने वाली पहली एशियाई और भारतीय महिला बनीं एश्वर्या पिस्से

एजेंसी

फेज़ (मोरक्को)। पुर्तगाल में ऐतिहासिक जीत के बाद भारत की स्टार रैली राइडर एश्वर्या पिस्से अब एक और बड़ा मुकाम हासिल करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने हाल ही में बीपी अल्टीमेट रैली-रेड पुर्तगाल 2025 में अपनी श्रेणी में खिताब जीतकर एशिया और भारत की पहली महिला राइडर बनने का गौरव प्राप्त किया था। अब वह विश्व की प्रतिष्ठित और चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिताओं में से एक ÷रैली डू मोरोक÷ में हिस्सा लेने जा रही हैं, जो 10 से 17 अक्टूबर तक आयोजित होगी। रैली डू मोरोक 2025 के 26वें संस्करण में प्रतियोगियों को 2,299 किलोमीटर लंबा मार्ग फेज़ से एरफूड तक तय करना होगा, जिसमें 1,478 किलोमीटर की स्पेशल स्टेज शामिल है। इस साल की रैली में कुल 229 वाहन और 120 से अधिक अंतरराष्ट्रीय राइडर्स हिस्सा लेंगे। इन सबमें एश्वर्या पिस्से एक बार फिर इतिहास रचने जा रही हैं – वह दो पहियों पर उतरने वाली एशिया की एकमात्र और भारत की पहली महिला राइडर होंगी। वह WwRC रैली 2 - विमेंस कैटेगरी में उतरेंगी। उनका लक्ष्य है महिलाओं के लिए मोटरस्पोर्ट्स में नए मानक स्थापित करना और डकार 2027 की दिशा में एक और मजबूत कदम बढ़ाना। एश्वर्या ने कहा, पुर्तगाल के बाद मेरा आत्मविश्वास और रफ्तार दोनों ही बेहतर हैं। रैली डू मोरोक वर्ल्ड रैली-रेड कैलेंडर की सबसे कठिन प्रतियोगिताओं में से एक है। यहां मैं खुद को डकार के लिए तैयार करने, सीखने और अपनी सीमाओं को और आगे बढ़ाने के लिए उतरी हूं।'

रैली डू मोरोक 2025, एफआईएम वर्ल्ड रैली-रेड चैम्पियनशिप (WwRC) का अंतिम राउंड है। यह रैली अपने रेतीले टीलों, पथरीली राहों और जटिल नेविगेशन

चुनौतियों के लिए प्रसिद्ध है। यह प्रतियोगियों की सहनशक्ति, फोकस और निरंतरता की सख्त परीक्षा लेती है – और एश्वर्या पिस्से अब तक इन सभी गुणों की मिसाल बन चुकी हैं। भारत के मोटरस्पोर्ट इतिहास में एश्वर्या का यह कदम न सिर्फ एक बड़ी उपलब्धि है बल्कि भविष्य की महिला राइडर्स के लिए प्रेरणा भी बनेगा।

आर्कटिक ओपन : लक्ष्य सेन बाहर, मन्नेपल्ली ने भारतीय उम्मीदें बरकरार रखीं

एजेंसी

एस्पू (फिनलैंड)। अनजान लेकिन प्रतिभाशाली भारतीय खिलाड़ी थरुन मन्नेपल्ली ने आर्कटिक ओपन 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व नंबर 14 टोमा जूनियर पोपोव को हराकर देश की पुरुष एकल में उम्मीदों को जिंदा रखा। वहीं लक्ष्य सेन को एक और निराशाजनक पहले दौर की हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 46वें नंबर के मन्नेपल्ली ने शुरुआती गेम गंवाने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए पोपोव को 11-21, 21-11, 22-20 से हराया। एक घंटे आठ मिनट तक चले इस रोमांचक मुकाबले में उन्होंने निर्णायक गेम में चार मैच प्वाइंट बचाते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की। वहीं, पेरिस ओलंपिक सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन को जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त कोडाई नाराओका के हाथों 21-15, 21-17 से हार झेलनी पड़ी। 57 मिनट तक चले मैच में लक्ष्य शुरुआत से ही पिछड़ते नजर आए और पहले गेम के अंतराल पर 6-11 से पीछे हो गए। दूसरे गेम में उन्होंने थोड़ी चुनौती दी, लेकिन नाराओका ने ब्रेक के बाद तेजी दिखाते हुए लक्ष्य को सात और अंक

ही लेने दिए।यह लक्ष्य की नाराओका के खिलाफ आठ मुकाबलों में छठी हार और 2025 में 10वीं बार पहले दौर से बाहर होना है। हालांकि, पिछले महीने हांगकांग ओपन के फाइनल तक पहुंचकर उन्होंने कुछ सकारात्मक प्रदर्शन भी दिखाया था। अन्य भारतीय खिलाड़ियों के लिए भी दिन अच्छा नहीं रहा। पूर्व विश्व नंबर 1 किदांबी श्रीकांत ने डेनमार्क के रासमस जेम्के के खिलाफ वॉकओवर दे दिया। किरण जॉर्ज ने चोट के कारण दूसरा गेम बीच में ही छोड़ दिया। वह पहले गेम में वतनाबे से 10-21 से पिछड़ रहे थे। शंकर सुब्रमण्यम को फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने 21-17, 21-11 से 44 मिनट में हराया। आयुष शेट्टी को शीर्ष वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसर्न ने 21-15, 21-16 से मात दी। थरुन मन्नेपल्ली के शानदार प्रदर्शन से भारतीय प्रशंसकों को टूर्नामेंट में उम्मीद की एक किरण जरूर दिखी है।

मैक्सवेल को उम्मीद, भारत के खिलाफ टी20 सीरीज़ से कर सकते हैं वापसी

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल अगले एक महीने में फिर से मैदान पर उतर सकते हैं। मैक्सवेल ने संकेत दिए हैं कि वह भारत के खिलाफ टी20 सीरीज़ के आखिरी मुकाबलों में वापसी कर सकते हैं।

मैक्सवेल ने पिछले हफ्ते अपनी दाहिनी कलाई की सर्जरी कराई थी, जो न्यूजीलैंड सीरीज़ से पहले ट्रेनिंग के दौरान चोटिल हो गई थी। उन्होंने ऑपरेशन का फैसला इसलिए लिया ताकि रिकवरी प्रक्रिया तेज़ हो सके। ऑस्ट्रेलिया ने मैक्सवेल को भारत के खिलाफ शुरुआती दो टी20 मैचों के लिए टीम में शामिल नहीं किया है, लेकिन 2 नवंबर से शुरू होने वाले आखिरी तीन मैचों में उनकी वापसी संभव है। मैक्सवेल ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, 'सर्जरी कराने का मकसद यही था कि मुझे भारत सीरीज़ में खेलने का एक छोटा सा मौका मिल सके। अगर सर्जरी नहीं कराता तो पूरी सीरीज़ मिस करनी पड़ती। अब उम्मीद है कि कुछ हिस्सा खेल सकूं और अगर नहीं तो बिग बैश लीग (बीबीएल) में समय पर वापसी कर लूंगा।' 36 वर्षीय मैक्सवेल की बांह से प्लास्टर ही

उतारा गया है और उन्होंने बेसिक मूवमेंट एक्सरसाइज़ शुरू कर दी हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए मैक्सवेल की वापसी मिड-सीरीज़ में फायदेमंद हो सकती है क्योंकि टीम टी20 विश्व कप (फरवरी 2026) से पहले अपने प्रमुख खिलाड़ियों को गेम टाइम देना चाहती है, वहीं कुछ खिलाड़ी एशेज की तैयारी में भी जुटे हैं।

इस बीच जोश हेज़लवुड ने एशेज से पहले शेफील्ड शील्ड में खेलने की इच्छा जताई है। ट्रैविस हेड और जोश इंग्लिस भी अक्टूबर 28 और नवंबर 10 से शुरू होने वाले शील्ड मैचों में हिस्सा ले सकते हैं।

मैक्सवेल के बीबीएल में मेलबर्न स्टार्स के लिए 18 दिसंबर को पहले मैच में उतरने की पूरी संभावना है। वह विक्टोरिया के लिए 2 दिसंबर को होने वाले वनडे कप मुकाबले में भी वापसी कर सकते हैं, हालांकि शील्ड में उनके खेलने की उम्मीद नहीं है। मैक्सवेल के करियर में हाल के वर्षों में चोटों की एक श्रृंखला रही है – 2022 में पैर टूटना, 2023 में गोल्फ कार्ट से गिरकर कंकशन और अब कलाई की चोट। मैक्सवेल ने बताया कि न्यूजीलैंड में नेट प्रैक्टिस के दौरान मिचेल ओवेन के ज़ोरदार पुल शॉट से गेंद उनकी बांह पर लगी थी। उन्होंने कहा, ÷ये बस बदकिस्मती थी। गेंद सीधे हड्डी पर लगी और कुछ नहीं हुआ, पर चोट लग गई। ऐसे हादसे अक्सर होते हैं, बस सुनाई नहीं देते।

ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत टी 20 शेड्यूल –

29 अक्टूबरः पहला टी20, मनुका ओवल, कैनबरा

31 अक्टूबरः दूसरा टी20, एमसीजी, मेलबर्न,

2 नवंबरः तीसरा टी20, बेलरीव ओवल, होबार्ट,

6 नवंबरः चौथा टी20, गोल्ड कोस्ट स्टेडियम, गोल्ड कोस्ट।

8 नवंबरः पांचवां टी20, द गाबा, ब्रिस्बेन।

बेहतरीन खिलाड़ियों को मिले सीएट क्रिकेट रेटिंग अवॉर्ड्स, संजू सैमसन बने 'टी20आई बैटर ऑफ द ईयर'

एजेंसी

मुंबई। मुंबई में 27वें सीएट क्रिकेट रेटिंग (सीडीआर) अवॉर्ड्स में भारतीय और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बेहतरीन खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। रोहित शर्मा ने चैंपियंस ट्रॉफी जीत के लिए सुर्खियां बटोरीं। इस समारोह में सबसे ज्यादा चमक संजू सैमसन के नाम रही, जिन्हें 'मेंस टी20आई बैटर ऑफ द ईयर' चुना गया। संजू सैमसन का टी20 क्रिकेट में प्रदर्शन पिछले एक वर्ष में शानदार रहा है। एशिया कप के स्टार्स अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा को पीछे छोड़ते हुए सैमसन ने अपनी बेहतरीन निरंतरता, निडर बल्लेबाज़ी और मैच पलट देने की क्षमता से सबको प्रभावित किया। मिडिल ऑर्डर में पारी को संभालने और मैच फिनिश करने की उनकी कला ने उन्हें भारतीय टी20 टीम का अहम हिस्सा बना दिया है। यह अवॉर्ड उनके करियर का एक बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है, जो उनके मैच जीताने वाले योगदान और टीम में बढ़ते महत्व को दर्शाता है।

वरुण चक्रवर्ती को 'मेंस टी20आई बॉलर ऑफ द ईयर' का अवॉर्ड मिला।

श्रेयस अय्यर को व्हाइट-बॉल क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के लिए 'सीएट जियोस्टार अवॉर्ड' से नवाज़ा गया।

ओडीआई श्रेणी में न्यूजीलैंड के केन विलियमसन को 'बैटर ऑफ द ईयर' और मैट हेनरी को 'बॉलर ऑफ द ईयर' का सम्मान मिला।

दिग्गजों को भी किया गया सम्मानितः भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को चैंपियंस ट्रॉफी जीत के लिए विशेष मोमेंटो प्रदान किया गया। महान बल्लेबाज़ ब्रायन लारा और भारत के पूर्व स्पिनर बी. एस. चंद्रशेखर को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इंग्लैंड के जो रूट को 'इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ द ईयर' और हैरी ब्रुक को 'मेंस टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर' चुना गया।

अफगानिस्तान ने पहले वनडे में बांग्लादेश को 5 विकेट से हराया, सीरीज में ली 1-0 की बढ़त

एजेंसी

अबू धाबी। अफगानिस्तान ने तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में देर रात बांग्लादेश को 5 विकेट से हराकर 1-0 की बढ़त बना ली। शानदार गेंदबाज़ी के बाद रहमत शाह और रहमानुल्लाह गुरबाज़ की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत अफगान टीम ने 222 रनों के लक्ष्य को 47.1 ओवर में आसानी से हासिल कर लिया। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए बांग्लादेश की शुरुआत बेहद खराब रही। तेज गेंदबाज़ अजमतुल्लाह ओमरजई ने शुरुआती झटके देकर मेज़बान टीम को बैकफुट पर धकेल दिया। टॉप-3 बल्लेबाज़ सिर्फ 53 रन पर पवेलियन लौट गए। इसके बाद तौहीद हिृदॉय (56 रन) और मेहदी

हसन मिराज़ (60 रन) ने चौथे विकेट के लिए 101 रनों की अहम साझेदारी कर टीम को संभाला लेकिन एक गलत कॉल के चलते तौहीद रन आउट हो गए और यहीं से बांग्लादेश की पारी लड़खड़ा गई। राशिद खान ने अपने तीसरे स्पेल में आते ही मिराज़ को एलबीडब्ल्यू कर 200वां वनडे विकेट झटका। उन्होंने जल्दी ही जाकिर अली और नुरुल हसन को भी आउट कर मध्यक्रम को ध्वस्त कर दिया। राशिद ने 38 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि ओमरजई ने 40 रन पर 3 विकेट हासिल किए। ग़ज़नफ़र ने भी 2 विकेट झटके। पूरी बांग्लादेश टीम 48.5 ओवर में 221 रन पर सिमट गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की ओपनिंग जोड़ी ने शानदार शुरुआत की। इब्राहिम ज़द्रान और रहमानुल्लाह गुरबाज़ ने पहले 10 ओवर में 50 रन जोड़ दिए।

ज़द्रान 25 रन बनाकर आउट हुए, जबकि गुरबाज़ ने 50 रन की पारी खेली। रहमत शाह ने भी 50 रन बनाए और मध्यक्रम को मज़बूती दी। हालांकि दोनों सेट बल्लेबाज़ अर्धशतक पूरा करने के तुरंत बाद आउट हो गए, लेकिन ओमरजई (40) और कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने 59 रनों की साझेदारी कर टीम को जीत की ओर अग्रसर कर दिया। अंत में मोहम्मद नबी ने छक्का लगाकर 17 गेंद शेष रहते मैच समाप्त किया।

एफआईए चुनाव 2025: मोहम्मद बिन सुलेयम बिना किसी विपक्ष के दोबारा चुने जा सकते हैं

एजेंसी

लंदन। फॉर्मूला-1 की संचालन संस्था एफआईए (एफआईए) के अध्यक्ष मोहम्मद बिन सुलेयम के दिसंबर में होने वाले चुनाव में बिना किसी विपक्ष के दोबारा चुने जाने की संभावना बढ़ गई है। जारी हुई पात्र उम्मीदवारों की सूची से संकेत मिला है कि उनके प्रतिद्वंद्वी आवश्यक समर्थन जुटाने में असफल हो सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय मोटर वाहन महासंघ (एफआईए) ने वर्ल्ड मोटर स्पोर्ट काउंसिल (डब्ल्यूएमएससी) के लिए 29 पात्र सदस्यों की सूची जारी की है। प्रत्येक राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को इन्हीं नामों में से सात उपाध्यक्ष चुनने होते हैं ताकि वे मतदान प्रक्रिया में शामिल हो सकें। नियमों के अनुसार, दो उम्मीदवार यूरोप से और एक-एक दक्षिण अमेरिका, उत्तरी अमेरिका, एशिया-प्रशांत, अफ्रीका तथा मध्य पूर्व/उत्तरी अफ्रीका क्षेत्र से होना आवश्यक है। हालांकि, दक्षिण अमेरिका की सूची में केवल एक ही नाम है- ब्राजील की फाबियाना एक्लेस्टोन, जो वर्तमान में महाद्वीप की उपाध्यक्ष हैं और पूर्व एफ1 सुप्रीमो बर्नी एक्लेस्टोन की पत्नी भी हैं। फाबियाना पहले से ही बिन सुलेयम की टीम का हिस्सा हैं, जिससे अन्य उम्मीदवारों के लिए आवश्यक क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व पूरा करना लगभग असंभव हो गया है। एफआईए ने कहा कि दक्षिण अमेरिका से अन्य उम्मीदवारों की अनुपस्थिति का कारण यह हो सकता है कि किसी सदस्य क्लब ने नाम नहीं भेजा या किसी नाम को एफआईए नामांकन समिति ने मंजूरी नहीं दी। अफ्रीका क्षेत्र में केवल दो नाम हैं- केन्या की अमीना मोहम्मद और मोज़ाम्बिक के रोड्रिगो रोचा, और दोनों ने बिन सुलेयम के प्रति समर्थन जताया है। अब तक तीन उम्मीदवार अमेरिका के टिम मेयर, स्विट्जरलैंड की लौरा विलार्स और बेल्जियम की वर्जिनी फिलिपो ने चुनाव लड़ने की मंशा जताई है, लेकिन किसी ने भी अपनी टीम की घोषणा नहीं की है। 24 अक्टूबर की अंतिम तिथि नजदीक होने के कारण उनके लिए आवश्यक टीम तैयार करना कठिन होता जा रहा है। 2021 में अध्यक्ष बने बिन सुलेयम ने सितंबर में ही अपनी टीम की घोषणा की थी। उनका कार्यकाल कई विवादों से घिरा रहा है, लेकिन इस बार उन्हें चुनौती मिलने की संभावना बहुत कम दिख रही है।

जिला स्तरीय अंडर-11 और अंडर-13 बैडमिंटन प्रतियोगिता 10 अक्टूबर को

एजेंसी

धर्मशाला। जिला कांगड़ा बैडमिंटन संघ द्वारा 10 अक्टूबर को धर्मशाला के इंडोर स्टेडियम में एक दिवसीय अंडर-11 एवं अंडर-13 आयु वर्ग की एकल एवं युगल प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। संघ के महासचिव विलास हंस ने बताया कि इस प्रतियोगिता में अंडर-11 आयु वर्ग के लिए कट ऑफ डेट 1 जनवरी 2015 तथा अंडर 13 आयु वर्ग के लिए 1 जनवरी 2013 रखी गई है। इस प्रतियोगिता में एकल एवं युगल मुकाबले आयोजित किए जाएंगे तथा प्रतियोगिता का आयोजन 10 अक्टूबर को सुबह 7 से शुरू कर दिया जाएगा। जिन खिलाड़ियों ने अपना पंजीकरण इस प्रतियोगिता के लिए करवाना है वह सभी खिलाड़ी 9 अक्टूबर तक दोपहर 12 बजे तक जिला कांगड़ा बैडमिंटन संघ के दूरभाष नंबर 7018084234 पर संपर्क करके अपना पंजीकरण करवा सकता है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में जो भी खिलाड़ी भाग लेंगे उनके खाने की व्यवस्था जिला कांगड़ा बैडमिंटन संघ द्वारा किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में एकल मुकाबले में पहले चार स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी तथा युगल मुकाबले में विजेता एवं उपविजेता राज्य स्तरीय प्रतियोगिता जोकि शिमला में 12 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक आयोजित की जा रही है उसमें जिला कांगड़ा बैडमिंटन संघ का नेतृत्व करेंगे।

पीकेएल-12 : तेलुगू टाइटंस की लगातार पांचवीं जीत, मौजूदा चैंपियन हरियाणा स्टीलर्स को 46-29 से हराया

एजेंसी

चेन्नई। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन में तेलुगू टाइटंस का शानदार प्रदर्शन जारी है। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टाइटंस ने मौजूदा चैंपियन हरियाणा स्टीलर्स को 46-29 के एकतरफा अंतर से पराजित किया। यह जहां टाइटंस की लगातार पांचवीं जीत रही, वहीं स्टीलर्स को लगातार पांचवीं हार झेलनी पड़ी।

टाइटंस के स्टार रेडर भरत ने इस मुकाबले में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 20 अंक जुटाए, जिनमें 4 डिफेंस पॉइंट्स भी शामिल थे। विजय मलिक ने टीम के लिए 8 अंक का योगदान दिया। हरियाणा की ओर से कप्तान जयदीप, जो अपना 100वां मैच खेल रहे थे, ने 4 टैकल पॉइंट्स, जबकि मयंक ने 5 रेड पॉइंट्स हासिल किए। टाइटंस ने शुरुआती मिनटों में ही आक्रामक शुरुआत की और 10-2 की बढ़त के साथ हरियाणा को जल्दी ही ऑलआउट कर दिया।

हरियाणा के डिफेंस ने बीच में वापसी की कोशिश करते हुए सुपर टैकल से अंक बटोरे, लेकिन भरत के लगातार मल्टीपॉइंट रेड्स ने मैच का रुख पूरी तरह टाइटंस की ओर मोड़ दिया। पहले हाफ के अंत तक टाइटंस 26-16 से आगे थे। दूसरे हाफ में भी उनका दबदबा कायम रहा। भरत ने सुपर-10 पूरा करने के बाद एक और ऑलआउट लेकर टीम की लीड को 37-20 कर दिया। हरियाणा ने अंत में बेंच खिलाड़ियों को मौका दिया, लेकिन स्कोर का अंतर इतना बड़ा था कि वापसी की कोई गुंजाइश नहीं बची। अंततः तेलुगू टाइटंस ने शानदार टीमवर्क और दमदार डिफेंस की बदौलत मुकाबला 46-29 से जीत लिया। इस जीत के साथ टाइटंस ने अंक तालिका में शीर्ष स्थान की ओर एक और कदम बढ़ा दिया, जबकि मौजूदा चैंपियन हरियाणा स्टीलर्स की प्लेऑफ उम्मीदों को झटका लगा है।

पीवीएल 2025 : मुंबई मेटियर्स की लगातार तीसरी जीत, दिल्ली तूफान्स को 3-0 से किया पराजित

एजेंसी

हैदराबाद। आरआर केबल प्राइम वॉलीबॉल लीग (पीवीएल) पावर्ड बाय स्कैपिया में खेले गए मुकाबले में मुंबई मेटियर्स ने एक बार फिर अपने दबदबे का प्रदर्शन करते हुए दिल्ली तूफ़ान्स को 3-0 (15-12, 15-10, 15-11) से हराया। गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में खेले गए इस मैच में मुंबई के सेटर ओम लाड वसंत को शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ़ द मैच चुना गया। दिल्ली के मुहम्मद जसीम ने शुरुआती सर्विस पर मुंबई को चुनौती दी, लेकिन मुंबई के अभिनव सालार ने दमदार रिटर्न और सुपर पॉइंट के साथ टीम को बढ़त दिलाई। शुभम चौधरी ने दिल्ली की मज़बूत डिफेंस लाइन में लगातार गैप खोजते हुए मेटियर्स के आक्रमण को और तेज़ किया। कप्तान अमित गुलिया की रणनीतिक सर्विस ने दिल्ली के लिबरो आनंद पर दबाव बढ़ाया, जबकि कार्लोस बेरियोस के जोरदार स्पाइक से मुंबई को एक और सुपर पॉइंट मिला। दूसरी ओर, दिल्ली के कप्तान सकलैन तारिक ने टीम को संभालने की कोशिश की और एक सफल रिव्यू के बाद कुछ मोमेंटम भी बनाया, लेकिन मुंबई की डिफेंस ने उनके हर हमले को रोक दिया।

दूर का दिखाने वाली दूरबीन

चिड़िया देखना हो या फिर तारे। एक दूरबीन से दो काम बहुत अच्छे से हो सकते हैं। अपनी पॉकेट मनी बचाकर अगर ऐसी कोई चीज खरीदते हो तो वह जिंदगीभर काम आएगी। दूरबीन दूर की दुनिया को तुम्हारे पास ले आएगी। जाड़े के दिनों में तो प्रकृति को, पंछियों और तारों को दूरबीन से घंटों देखा जा सकता है। कौन जाने, एक दूरबीन तुममें भी वैसी ही कुछ रुचि पैदा कर दे या फिर गैलीलियो की तरह तुम भी अपनी दूरबीन के कारण अपने दोस्तों में पहचाने जाओ। जन्मदिन पर तुम पापा-मम्मी से कोई बड़ी चीज माँगने के बजाय दूरबीन की जिद भी कर सकते हो। उन्हें भी दूरबीन दिलाने में कोई परेशानी नहीं होगी। दूरबीन से देखने पर नई दुनिया खुल जाती है। दूर की कौड़ी को पास लाने वाली दूरबीन अगर तुम्हारी दोस्त बन जाए तो क्या बात है। तो ले आओ दूर की चीजों को पास, एक दूरबीन के साथ।

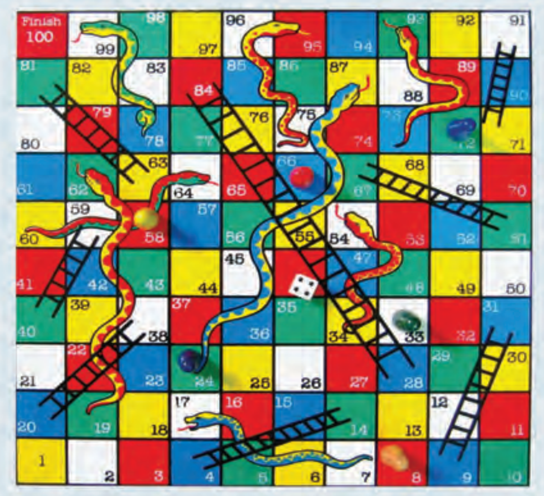

साँप-सीढ़ी खेल की शुरुआत किस देश में हुई?

बच्चों के पसंदीदा इस खेल की शुरुआत प्राचीन भारत में हुई है। पहले इसे मोक्षपत और मोक्षपतामु कहा जाता था। इसकी शुरुआत कब हुई इसका ठीक-ठीक समय तो पता नहीं पर माना जाता है यह खेल ईसा के जन्म के भी दो सौ सालों पहले से खेला जा रहा है। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि ईसा के 1300 साल बाद संत ज्ञानदेव ने इसकी शुरुआत की। इस खेल के जरिए बच्चों को यह सिखाया जाता था कि अगर वे अच्छा काम करते हैं तो वे आगे बढ़ेंगे। भारत में जो खेल चलता था उसमें साँप के मुकाबले सीढ़ियों की संख्या कम होती थी। फिर यह खेल इंग्लैंड पहुँचा और वहाँ कुछ बदलाव के साथ यह स्नेक एंड लेडर्स के तौर पर पहचाना जाने लगा। यहाँ से खेल में जितने साँप हो गए उतनी ही सीढ़ियाँ हो गई। 1943 से यह खेल अमेरिका में भी खेला जाने लगा।

कैटरपिलर

कैटरपिलर का मतलब इल्ली होता है। जितनी भी तितलियाँ या मोथ हैं सभी के अंडे से पहले इल्ली बनती है। धीरे-धीरे यह कैटरपिलर बड़ी होती है और बटरफ्लाय में चेंज हो जाती है। कैटरपिलर में स्पेशल ग्लैंड होती है जिसकी सिकरिशन से वे सिल्क बनाती हैं। कैटरपिलर के सिर पर 12 छोटी-छोटी आँखें होती हैं जिसे 'ओसिली' कहा जाता है। इसके सिर पर दो जोड़ी जबड़े भी जुड़े रहते हैं, जो मेंडीबल्स कहलाते हैं।
इसकी स्किन स्ट्रेचेबल नहीं होती है इसलिए जैसे ही इसका साइज बढ़ता है इसकी स्किन टूटती जाती है। कैटरपिलर के आगे के तीन जोड़ी पैर को थोरेसिक लेग कहा जाता है और ये चलने और पकड़ने का काम करते हैं। इसकी बॉडी 13 सेगमेंट में बँटी हुई होती है। सभी इंसेक्ट की तरह यह भी शरीर पर मौजूद छेदों से साँस लेते हैं। इन छेदों को स्पाइरेकल कहा जाता है। इसके पीछे के पैरों को प्रोलेग कहा जाता है। इन पैरों से वह पौधों की डालियों को पकड़ने का काम करता है।
ज्यादातर कैटरपिलर का कलर हरा होता है ताकि वे आसानी से पत्तियों में छुपे रहें। इनका मुख्य खाना ही पत्तियाँ होती हैं। लेकिन कुछ कैटरपिलर बहुत सुंदर होते हैं। जैसे कैबेज व व्हाइट कैटरपिलर पर बहुत ही सुंदर स्पाट होते हैं। टाइगर मोथ एकदम लाल रंग का होता है। पस मॉथ का शेप एकदम अलग ढंग का होता है। एम्प्ररर मॉथ हरे रंग का बहुत सुंदर कैटरपिलर होता है। वैसे तो मॉथ के सभी कैटरपिलर सिल्क बनाते हैं, लेकिन जो सबसे अच्छी क्वालिटी का सिल्क देता है उसे सिल्क वर्म कहा जाता है।

आलसी जानवरों की दुनिया

दोस्तों, तुम 6-8 घंटे जरूर सोते होगे, जिसके बाद फ्रेश होकर अपने काम में जुट जाते होगे। तुमने अपने पेट्स और आसपास रहने वाले जानवरों को भी रात भर सोते हुए देखा होगा। यही नहीं, अगर मौका मिले तो वे दिन में भी सो जाते हैं, ऊंघते रहते हैं या आलसी बनकर पड़े रहते हैं। लेकिन क्या तुम दुनिया के ऐसे जानवरों के बारे में जानते हो, जो पूरे दिन का 60-80 प्रतिशत से भी अधिक समय सोने में खर्च करते हैं। यानी कई जानवर दिन भर में 16-22 घंटे सोते रहते हैं। इनमें कुछेक को छोड़ कर सभी आलसी होते हैं। वे खाते-पीते हैं और अपने जरूरी काम धीरे-धीरे निपटाकर दोबारा सो जाते हैं। तुम ऐसे जानवरों को लेजी, सोतूराम या आलसीराम नहीं कहोगे क्या? लेकिन ऐसा कर ये जानवर एक तो शिकारियों से अपना बचाव करते हैं, साथ ही लंबे समय तक अपनी एनर्जी भी बचाए रखते हैं।

शेर

तुम्हें यह अटपटा जरूर लगेगा कि ताकतवर और जंगल का राजा शेर भी अधिक सोने वाले जानवरों की क्षेणी में आता है। यह अलग बात है कि नर शेर आलसी या कमजोर बिल्कुल नहीं हैं। ताकत से भरपूर और एक्टिव होने के कारण ही ये जंगल के दूसरे जानवरों पर अपना दबदबा बनाए रखते हैं। शिकार करके नर शेर के खाने-पीने का इंतजाम करने का जिम्मा भी जब मादा शेरनी का होता है तो ये दिन में 18-22 घंटे ऊंघने के अलावा करते ही क्या हैं। कभी-कभी तो ये नर शेर दिन में 24 घंटे सोते रहते हैं।

कोआला

ऑस्ट्रेलिया में पाए जाने वाले कोआला आलसी जानवरों में पहले स्थान पर हैं। ये ज्यादातर नीलगिरी के पेड़ों पर समूह में रहते हैं और आसानी से उपलब्ध नीलगिरी के पत्ते, फल-फूल, पेड़ की छाल खाकर पेट भरते हैं। खाना ढूंढ़ने के लिए उन्हें कहीं जाने की भी जरूरत नहीं पड़ती। फाइबर से भरपूर ये पत्ते कोआला को ऊर्जा प्रदान करते हैं। कोआला नीलगिरी के पेड़ों पर बैठे-बैठे दिन में 22 घंटे सोते रहते हैं।

आर्माडीलो

ये एक दिन में 18-20 घंटे तक सोते हैं। अकेले रहने वाले आर्माडीलो रात के समय एक्टिव होते हैं और दिन में अपने बिल के अंदर जहां तक होता है, क्रॉल करते रहते हैं। ये कमजोर नजर वाले होते हैं। सूंघ कर अपने भोजन की तलाश करते हैं।

स्लोथ

दक्षिण और मध्य अमेरिका में पाए जाने वाले स्लोथ बहुत धीमी गति से अपने काम करते हैं। जमीन पर चलते और पेड़ पर चढ़ते वक्त ये एक मिनट में सिर्फ 15-20 सेमी ही आगे बढ़ पाते हैं। ये इतने आलसी होते हैं कि उनके आसपास क्या हो रहा है, इससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता। स्लोथ दिन में अपने हाथों से पेड़ों की शाखाओं को घेरकर उलटे लटके रहते हैं। ऐसे ही ये लटके हुए 20 घंटे तक सोते रहते हैं।

ब्राउन बैट

ये उत्तरी अमेरिका में पाए जाते हैं। उलटे लटकने वाले ब्राउन बैट दिन में 20 घंटे सोते रहते है और रात को एक्टिव होते हैं।

गिलहरी

गिलहरी कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा से भरपूर खाना खाती है, जिससे इसे नींद ज्यादा आती है। ये टहनियों, पत्तों, फर और पंखों जैसी नरम चीजों से बनाए घोंसले में रहती है और दिन में करीब 14 घंटे सोती है।

आउल मंकी

ये दक्षिण और मध्य अमेरिका के जंगलों में पाए जाते हैं और समूह में रहते हैं। आउल मंकी एक दिन में 17 घंटे सोते रहते हैं। ये रात के समय एक्टिव रहकर अपने सारे काम निपटा लेते हैं।

दरियाई घोड़े

अफ्रीका में पाए जाने वाले हिप्पो ऊंघने में मास्टर होते हैं। समूह में रहने वाले हिप्पो दिन के समय गर्मी से बचने के लिए पानी के नीचे या जमीन पर, जहां भी मौका मिलता है, झपकी ले लेते हैं। अपने समूह के साथ हिप्पो बेखौफ होकर दिन में 18-20 घंटे सोते हैं।

प्यारा और अनूठा शेवट्रेन

शेवट्रेन ऐसा जीव है, जिसका शरीर हिरन की तरह और मुंह चूहा जैसा होता है। अलग-अलग देशों के लोग इसे अलग-अलग नामों से बुलाते हैं। यह दक्षिण भारत के अलावा एशिया और अफ्रीका के विभिन्न जंगलों में पाया जाता है। इसे आर्द्र जलवायु ज्यादा भाती है। यही कारण है कि यह वर्षावनों में ज्यादा पाया जाता है। शेवट्रेन या पिसूरी चूहे की शक्ल का जीव है, पर इसका शरीर हिरन जैसा होता है। इसलिए लोग इसे माउस डियर कहते हैं। एशिया में पाए जाने वाले माउस डियर अफ्रीकी माउस डियर से हल्के और छोटे होते हैं। एशियाई माउस डियर आठ किलोग्राम तक के होते हैं। वहीं, इसकी अफ्रीकी प्रजाति का वजन 16 किलोग्राम तक होता है। यह पूरी तरह शाकाहारी होता है और पौधों के मुलायम पत्ते व पेड़ से गिरे फलों को खाता है। इसके शरीर के निचले हिस्से पर हिरन के जैसी ही धारियां भी बनी होती हैं। इसके कान छोटे-छोटे होते है। यह बहुत ही डरपोक होता है, पर विरोधी कमजोर हो, तो हमला भी कर देता है। शेवट्रेन नाम फ्रेंच से लिया गया है, जिसका मतलब 'छोटी बकरी' होता है। तेलुगु में इसे जारिनी पंडी, मलयालम में खूरान और कोंकणी में इसे बरिंका कहा जाता है। एक अनुमान के अनुसार इस जीव की खोज नव पाषाण काल में हुई। इसके पेट की संरचना बाकी जीवों से थोड़ी अलग होती है। इसके पाचन प्रक्रिया के लिए चार अलग-अलग चेंबर होते हैं। भोजन बारी-बारी से हर चेंबर से होकर गुजरता है, जहां पौष्टिक तत्वों का अवशोषण होता है। मादा एक बार में एक ही बच्चा देती है. इस कारण इनकी संख्या बहुत ही कम है। इनके पैर पतले होते हैं और खुर गाय जैसे, पर काफी छोटे होते हैं। इन्हें सींग नहीं होता, पर नर का जबड़ा काफी मजबूत होता है और जरूरत पड़ने पर इससे वह दुश्मनों पर हमला भी करता है। ये समूह में रहने के बजाय जोड़ी में रहना पसंद करते हैं। ये बच्चों का देखभाल 2-3 माह तक ही करते हैं। 10 माह में इनके बच्चे वयस्क की भूमिका निभाने और प्रजनन के लिए तैयार हो जाते हैं।

इनक्यूबेटर का कमाल

आर्यन और प्रफुल्ल दोनों भाइयों की साइंस में विशेष रुचि थी। साइंस की उन्हें काफी जानकारी भी थी। स्कूल से लौटकर आने के बाद भी वे दोनों कभी साइंस की कोई मैगजीन पढ़ते रहते तो कभी साइंस से जुड़ी कोई वेबसाइट देखते रहते। उनकी कॉलोनी में रहने वाले लोग अकसर उनके पापा से कहते, 'देख लीजिएगा श्याम जी! आपके बेटे एक दिन बहुत बड़े वैज्ञानिक बनेंगे।'

लोगों के ऐसा कहने की वजह यह थी कि उन्होंने कई बार आर्यन और प्रफुल्ल को साइंस की मदद से समस्याओं के काफी रोचक समाधान निकालते देखा था। आज भी उनके पास एक ऐसी समस्या आ गई थी। दरअसल सुबह जब वे स्कूल बस के आने का इंतजार कर रहे थे तब उनकी कॉलोनी में रहने वाले एक अंकल उनके पास आए और कहने लगे, 'मैं एक मुश्किल में फंस गया हूं। मुझे लगता है कि उसका समाधान तुम दोनों निकाल सकते हो। क्या तुम मेरी मदद करोगे?'

'क्या हुआ अंकल, आप बताइए। अगर संभव हुआ तो हम आपकी परेशानी का हल जरूर निकालेंगे।' आर्यन बोला।

'थैंक्यू बच्चो! मुझे तुमसे यही उम्मीद थी। अब मेरी समस्या सुनो- मेरे पास एक मुर्गी है, जिसे मैंने बड़े प्यार से पाला है। कल वह घर के बाहर घूमते-घूमते अचानक सामने वाले घर में चली गई और लोहे के कंटीले तारों में फंसकर जख्मी हो गई। कल ही उसने दो अंडे दिए हैं। अंडों में से चूजों के बाहर आने में अभी समय है और मुर्गी अभी ऐसी हालत में नहीं है कि उन्हें गर्मी देकर से सके। क्या अंडों को सेने का कोई और तरीका हो सकता है? मैं चाहता हूं कि दोनों चूजे अंडों से बाहर निकलने के बाद पूरी तरह स्वस्थ हों और तब तक मुर्गी की हालत भी सुधर जाए।'

आर्यन और प्रफुल्ल ने एक पल के लिए कुछ सोचा और एक-दूसरे की तरफ देखकर दोनों के मुंह से निकला- 'इनक्यूबेटर'।फिर वे दोनों बोले, 'अंकल आपका काम हो जाएगा। हमें शाम तक का समय दीजिए। आपके चूजे भी सही सलामत रहेंगे और मुर्गी भी।' यह सुनते ही कॉलोनी वाले अंकल के चेहरे पर मुस्कान आ गई।

स्कूल से घर वापस आते ही दोनों भाइयों ने खाना खाया और इनक्यूबेटर बनाने में लग गए। सबसे पहले आर्यन ने थर्मोकॉल का एक चौकोर डिब्बा बनाया, जिसे खोला भी जा सके। इसके बाद प्रफुल्ल ने उसके अंदर चारों तरफ रुई की मोटी पर्त बिछा दी ताकि उसके अंदर अंडों को सेने के लिए जरूरी गर्मी बनी रहे। दोनों भाइयों ने बायोलॉजी के पाठ इनक्यूबेटर में पढ़ा था कि मुर्गी के अंडों को सेने के लिए 99 से 102 डिग्री के आस-पास के तापमान की जरूरत होती है। दोनों ने इसके लिए उस डिब्बे का तापमान मापने के लिये उसमें तापमान मानक यंत्र के रूप में थर्मामीटर रख दिया। फिर डिब्बे के अंदर एक साफ मुलायम कपड़ा बिछाया। साथ ही उस डिब्बे में ऊपर से एक छेद करके उसमें बिजली का एक तार लटकाया। बिजली के उस तार के एक कोने में प्लग लगाया और तार के दूसरे कोने को बॉक्स में लटकाकर उसके अंदर होल्डर लगाया। होल्डर में एक बल्ब फिट किया और उसे जला दिया ताकि उसके जलने से डिब्बे में जरूरत के हिसाब से तापमान बना रहे। इसके बाद दोनों ने उसका तापमान थर्मामीटर से मापकर देखा तो वह उतना ही था, जितने की उन्हें जरूरत थी। अब उनका इनक्यूबेटर मुर्गी के अंडे सेने के लिए तैयार था।

शाम को आर्यन और प्रफुल्ल इनक्यूबेटर लेकर मुर्गी वाले अंकल के घर गए। वहां उन्होंने उसे सेट करके उसमें दोनों अंडों को रख दिया। साथ ही उन्होंने अंकल से कहा,'इन अंडों में से चूजे निकलने में 21-23 दिन का समय लगेगा। हम बीच-बीच में आकर इसे चेक करते रहेंगे। अब हम चलते हैं और आप भी अब निश्चिंत होकर अपनी मुर्गी का इलाज करवाइये।

घरेलू इनक्यूबेटर में अंडों के सेने का इंतजाम असर दिखा रहा था। 21वें दिन आर्यन और प्रफुल्ल को अंडों में कुछ हलचल सी दिखी। यह देखकर वे दोनों बहुत खुश हुए। 23वें दिन अंडे का छिलका टूटा और उसके अंदर से दो प्यारे-प्यारे चूजे बाहर आए। उन्हें देखकर सब तालियां बजाने लगे। कॉलोनी में रहने वाले लोग आर्यन और प्रफुल्ल को बधाई दे रहे थे। आर्यन और प्रफुल्ल की खुशी का ठिकाना नहीं था। अगले दिन उन दोनों के स्कूल में प्रिंसिपल सर ने दोनों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'आर्यन और प्रफुल्ल हमारे स्कूल के नंबर वन बाल वैज्ञानिक हैं। ये सिर्फ परीक्षा में पास होने के लिए ही पढ़ाई नहीं करते, बल्कि उसे अमल में भी लाते हैं। आज स्कूल के सभी छात्र इन दोनों के लिए तालियां बजाएंगे।' सर का इतना कहना था, सारे बच्चों ने प्रफुल्ल और आर्यन के लिए जोरदार तालियां बजाईं। इससे दोनों का हौसला और बुलंद हो गया। दोनों ने सोच लिया था कि वे थॉमस अल्वा एडीसन, गैलीलियो और आइंस्टीन के बारे में केवल एग्जाम में ही नहीं लिखेंगे, बल्कि उनकी तरह बन कर दिखाएंगे और अपने स्कूल का नाम रोशन करेंगे।